website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 50 | पेज: 8 | जयपुर, शुक्रवार 30 जनवरी 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

कश्मीर घाटी में ठंड का कहर जारी, 1 फरवरी से बारिश के आसार

श्रीनगर। कश्मीर घाटी में कड़ाके की ठंड का असर लगातार बना हुआ है। बुधवार रात पूरे कश्मीर में तापमान शून्य डिग्री से नीचे दर्ज किया गया। प्रसिद्ध पर्यटन स्थल गुलमर्ग में न्यूनतम तापमान माइनस 9 डिग्री सेल्सियस रहा, जो इस सर्दी के सबसे कम तापमानों में शामिल है। राजधानी श्रीनगर में पारा माइनस 0.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि पहलगाम में न्यूनतम तापमान माइनस 4.5 डिग्री रहा। जम्मू संभाग में भी ठंड का असर देखने को मिला। जम्मू शहर में तापमान 7.2 डिग्री, कटरा में 6.4, बटोटे में 0.9, बनिहाल में माइनस 2.6 और भद्रवाह में माइनस 3.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से मौसम में बदलाव आ सकता है। 1 और 2 फरवरी को बादल छाए रहने के साथ कुछ इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी की संभावना है, जबकि 3 से 6 फरवरी तक मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। गांदरबल, बांदीपोरा और कुपवाड़ा के ऊंचे इलाकों में हिमस्खलन की चेतावनी जारी की गई है। श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग यातायात के लिए खुला है, हालांकि जोजिला पास, पीर की गली, सिंथन और रजदान पास बर्फबारी के कारण बंद हैं। कश्मीर में 'चिल्लई कलां' का 40 दिन का दौर शुक्रवार को समाप्त हो जाएगा।

NCR में ठंड का अटैक, मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में शीतलहर का प्रकोप लगातार जारी है। मौसम में आए बड़े बदलाव के कारण न्यूनतम तापमान में करीब 6 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की गई है, जिससे लोगों को कड़ाके की ठंड का सामना करना पड़ रहा है। सुबह और देर रात घने कोहरे के चलते दृश्यता भी काफी कम हो गई है, जिससे सड़क और रेल यातायात प्रभावित हो रहा है। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, 29 जनवरी को एनसीआर में दिन का अधिकतम तापमान करीब 18 डिग्री और न्यूनतम 7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड होने की संभावना है। इस दिन सुबह के समय घने कोहरे की चेतावनी जारी की गई है। 30 जनवरी को अधिकतम तापमान 19 डिग्री और न्यूनतम 8 डिग्री रहने का अनुमान है। हालांकि, इस दिन कोहरा के मध्यम रहने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने आगे बताया कि 31 जनवरी और 1 फरवरी को एनसीआर में मौसम और अधिक करवट ले सकता है। 31 जनवरी को अधिकतम तापमान करीब 20 डिग्री और न्यूनतम 7 डिग्री रहने का अनुमान है। इस दौरान बारिश या गरज के साथ छींटे और तेज झोंकेदार हवाएं चल सकती हैं। वहीं, 1 फरवरी को मौसम विभाग ने खास अलर्ट जारी किया है। इस दिन सुबह से रात तक गरज-चमक के साथ बारिश, बिजली गिरने और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना जताई गई है। इस दिन तापमान 18 से 12 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। मौसम विभाग और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने नागरिकों को सलाह दी है कि अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से बचें, बुजुर्ग और बच्चे विशेष सावधानी बरतें तथा बारिश और तेज हवाओं के दौरान सतर्क रहें।

भारत-ईयू एफटीए से निर्यात और नवाचार को नई गति, आईटी समेत कई क्षेत्रों में अवसर: वीर सागर

नई दिल्ली। भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच हुए फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) एक ऐतिहासिक और दूरगामी प्रभाव वाला समझौता है। यह पहली बार है जब इतने बड़े स्तर पर कई देशों के साथ इस तरह का करार हुआ है, जो भारत के एक्सपोर्ट, इनोवेशन और आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ा बदलाव लाएगा। ये बातें वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले एक्सपोर्ट प्रमोशन से जुड़े संगठन ईएससी (इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कंप्यूटर सॉफ्टवेयर एक्सपोर्ट प्रोमोशन काउंसिल) के चेयरमैन वीर सागर ने बताई। वीर सागर ने कहा कि इस समझौते की सबसे बड़ी खासियत यह है कि भारत और ईयू अब बराबरी के आधार पर साथ काम करेंगे। खासतौर पर आईटी सेक्टर के नजरिए से यह डील बेहद अहम है। अब भारत सिर्फ मैनपावर या सप्लाई देने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इनोवेशन, डिजाइनिंग, डेवलपमेंट, ऑटोमेशन और एआई जैसे क्षेत्रों में यूरोपीय साझेदारों के साथ मिलकर काम करेगा। उन्होंने बताया कि पहले काम या पढ़ाई के लिए यूरोप जाने में काफी दिक्कतें आती थीं। जरूरी परमिशन और अप्रूवल की प्रक्रिया जटिल थी, लेकिन अब यह प्रक्रिया काफी सरल हो जाएगी। इससे लोगों का आना-जाना आसान होगा और भारत-ईयू के बीच वर्क और एजुकेशन कोलेबोरेशन को मजबूती मिलेगी। वीर सागर के अनुसार, यह समझौता मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के लिए भी अहम साबित होगा, लेकिन यह एकतरफा नहीं होगा। दोनों पक्ष मिलकर काम करेंगे। कुछ हिस्से यूरोप में बनेंगे, कुछ भारत में और फिर मिलकर फाइनल प्रोडक्ट तैयार किया जाएगा। इससे संयुक्त उत्पादन और साझा जिम्मेदारी का मॉडल मजबूत होगा।

ईएससी चेयरमैन ने आगे कहा कि पहले भारत को कई बार केवल काम सौंपा जाता था, जैसा कि अमेरिका जैसे बाजारों में होता रहा है। अब भारत खुद डिजाइन, इनोवेशन और टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट में बराबरी की भूमिका निभाएगा। यह बदलाव सिर्फ आईटी तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि ऑटोमोबाइल, फार्मा, एग्रीकल्चर, बैंकिंग समेत कई सेक्टरों में देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह ट्रेड डील इसलिए भी संभव हो पाई, क्योंकि भारत अब वैश्विक सप्लाई चेन का मजबूत हिस्सा बन चुका है। पहले भारत को ज्यादातर चीजें आयात करनी पड़ती थीं, लेकिन अब देश में ही बड़े पैमाने पर मैन्युफैक्चरिंग हो रही है। इसी वजह से यूरोपीय देश भारत को एक भरोसेमंद पार्टनर के रूप में देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत और ईयू की यह साझेदारी ज्ञान साझा करने, टेक्नोलॉजी ट्रांसफर और संयुक्त उत्पादन को बढ़ावा देगी, जिससे न केवल भारत का एक्सपोर्ट बढ़ेगा, बल्कि देश की वैश्विक पहचान एक इनोवेशन हब और मैन्युफैक्चरिंग पावर के रूप में और मजबूत होगी।

UGC पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले से सपा असंतुष्ट? अखिलेश यादव के सांसदों ने उठाए सवाल

यूपी। सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल वर्ष 2012 में अधिसूचित यूजीसी रेगुलेशन को लागू बनाए रखने का आदेश दिया है। इस फैसले को लेकर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी की प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। दोनों दलों ने इसे सरकार के लिए झटका बताते हुए सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक भूमिका की जीत करार दिया है। यूजीसी से जुड़े इस मामले में शीर्ष अदालत के फैसले के बाद सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। विपक्षी दलों का आरोप है कि सरकार समाज को बांटने वाले फैसले ले रही थी, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने समय रहते रोक दिया।

भटकाना चाहती है सरकार- राजीव राय

समाजवादी पार्टी के सांसद राजीव राय ने सरकार की नीयत पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा, "सरकार जनता का ध्यान भटकाना चाहती है। वह कोई ऐसा काम नहीं करती जो जनकल्याण से जुड़ा हो। अगर सरकार की नीति और नीयत सही होती तो हालात ऐसे नहीं बनते।" वहीं सपा सांसद पुष्पेंद्र सरोज ने यूजीसी के इंट्रोडक्शन और बाद में उसे वापस लेने पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, "संविधान में साफ लिखा है कि किसी भी तरह का भेदभाव नहीं होना चाहिए। लेकिन जो हमने देखा, अब उसे रोल बैक भी किया गया। सरकार खुद ही कन्फ्यूज है कि वह आखिर किसके साथ खड़ी है।" उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी पीडीए की लड़ाई के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है और आगे आने वाले हर फैसले को इसी नजरिए से देखा जाएगा।

सरकार आग लगाती है- प्रमोद तिवारी

कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया। उन्होंने कहा, "सरकार का कर्तव्य होता है कि जहां आग लगी हो, उसे बुझाए। लेकिन भाजपा का संगठन वर्ग, जाति और धर्म के नाम पर टकराव कराता है। यही कोशिश यहां भी थी। सुप्रीम कोर्ट ने उनकी मंशा और काली करतूत को पहचानते हुए स्टे लगाया है। इसके लिए मैं सुप्रीम कोर्ट को धन्यवाद देता हूं।" कांग्रेस और समाजवादी पार्टी का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला सरकार की नीतियों पर गंभीर सवाल खड़ा करता है।

EU से हो गई डील, अब निशाने पर अमेरिका? अगले हफ्ते US जाएंगे एस जयशंकर, क्या होगा खास

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर अगले हफ्ते अमेरिका का दौरा कर सकते हैं। वह अमेरिका में होने वाली क्रिटिकल मिनरल्स मिनिस्टीरियल बैठक में शामिल होंगे। यह अहम बैठक वॉशिंगटन डीसी में आयोजित की जाएगी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो की मेजबानी में होने वाली यह पहली हाई-लेवल बैठक होगी। बैठक के इतर एस जयशंकर और मार्को रूबियो के बीच अन्य द्विपक्षीय मुद्दों पर भी चर्चा होने की संभावना है। दरअसल, क्रिटिकल मिनरल्स मिनिस्टीरियल बैठक का उद्देश्य दुनियाभर के कई देशों को एक साझा मंच पर लाना है, ताकि अहम खनिजों की सप्लाई चेन को सुरक्षित करने के लिए आपसी सहयोग बढ़ाया जा सके। इन खनिजों में लिथियम, कोबाल्ट और निकल जैसे जरूरी मटीरियल शामिल हैं, जो इलेक्ट्रिक वाहनों, रिन्यूएबल एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर से लेकर डिफेंस सिस्टम्स तक की बुनियाद माने जाते हैं।

भारत-अमेरिका के बीच ट्रेड डील को लेकर तनाव

यह हाई-लेवल बैठक ऐसे समय पर हो रही है, जब भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील को लेकर तनाव बना हुआ है। ऐसे में माना जा रहा है कि अगर एस जयशंकर अमेरिका जाते हैं, तो दोनों देशों के रिश्तों में आई तल्खी को कम करने की कोशिश की जा सकती है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और डोनाल्ड ट्रंप के बीच

संभावित मुलाकात को लेकर भी बातचीत हो सकती है। सूत्रों के मुताबिक, जयशंकर का अमेरिका दौरा दोनों देशों के बीच मतभेद दूर होने का संकेत माना जाएगा।

यूरोपियन यूनियन के साथ हुआ है समझौता

विदेश मंत्री एस जयशंकर का यह संभावित अमेरिका दौरा ऐसे वक्त में हो रहा है, जब भारत ने हाल ही में यूरोपियन यूनियन के साथ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) किया है। अमेरिकी दबाव के बीच यह समझौता काफी अहम माना जा रहा है। इस समझौते के तहत भारतीय कंपनियों को कई प्रमुख बाजारों में प्राथमिकता के आधार पर पहुंच मिलेगी। 'मेड इन इंडिया' मेडिकल उपकरणों पर टैरिफ घटेगा। इसके अलावा रसायन, उर्वरक, दवाएं, कॉस्मेटिक, साबुन और डिटर्जेंट जैसे सेक्टर में तेज विकास होगा, साथ ही उत्पादन क्षमता बढ़ाने और एमएसएमई क्लस्टर विकसित करने में भी मदद मिलेगी।

यूजीसी के नए भेदभाव नियमों पर सुप्रीम कोर्ट की रोक, 2012 के प्रावधान लागू रहेंगे

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नए नियमों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार और यूजीसी को नोटिस जारी किया। इसके साथ ही, शीर्ष अदालत ने फिलहाल यूजीसी के नए रेगुलेशन पर रोक लगा दी है और स्पष्ट किया है कि अगली सुनवाई 19 मार्च को होगी। कोर्ट ने यह भी आदेश दिया कि तब तक 2012 के यूजीसी रेगुलेशन ही लागू रहेंगे। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने इस मामले में सुनवाई की। याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने दलील दी कि उन्होंने यूजीसी के नए नियमों के सेक्शन 3सी को चुनौती दी है। उनका कहना था कि रेगुलेशन में भेदभाव की जो परिभाषा दी गई है, वह संविधान के अनुरूप नहीं है। विष्णु शंकर जैन ने तर्क दिया कि संविधान के अनुसार, भेदभाव का प्रश्न देश के सभी नागरिकों से जुड़ा है, जबकि यूजीसी के नए नियमों में भेदभाव को केवल विशेष वर्ग तक सीमित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह परिभाषा न केवल अधूरी है, बल्कि संवैधानिक भावना के विपरीत भी है। सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ने एक महत्वपूर्ण सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि मान लीजिए दक्षिण भारत का

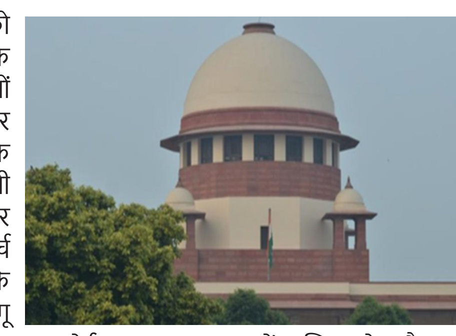

कोई छात्र उत्तर भारत में दाखिला लेता है या उत्तर का छात्र दक्षिण में पढ़ने जाता है और उसके खिलाफ कोई अपमानजनक टिप्पणी की जाती है, जबकि दोनों पक्षों की जाति की जानकारी नहीं है, तो ऐसी स्थिति में कौन-सा प्रावधान लागू होगा? इस पर विष्णु जैन ने जवाब दिया कि सेक्शन 3ई ऐसी परिस्थितियों को कवर करता है। उन्होंने कहा कि यदि किसी के जन्मस्थान के आधार पर भेदभाव होता है, तो उसके लिए अलग से प्रावधान मौजूद है और उस पर कार्रवाई की जा सकती है। एक अन्य याचिकाकर्ता के वकील ने सवाल उठाया कि यूजीसी के नए नियमों में रैगिंग से जुड़े प्रावधान क्यों हटाए गए हैं। उन्होंने आशंका जताई कि नया रेगुलेशन शिक्षा व्यवस्था को आगे ले जाने के बजाय पीछे की ओर धकेल रहा है। उनका कहना था कि भविष्य में ऐसा हो सकता है कि कोई फ्रेशर, जो सामान्य वर्ग से आता हो, पहले ही दिन अपराधी की तरह देखा जाने लगे और जेल तक पहुंच जाए। यह गंभीर चिंता का विषय है। सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने एक बड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि आजादी के 75 साल बाद भी हम समाज को जातियों से मुक्त नहीं कर सके हैं। सवाल यह है कि क्या इस नए कानून के जरिए हम और पीछे की ओर जा रहे हैं? याचिकाकर्ताओं ने अदालत से यूजीसी के नए रेगुलेशन को समाप्त करने और उस पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। उन्होंने यह भी कहा कि यदि अदालत अनुमति दे, तो वे इससे बेहतर और संतुलित रेगुलेशन तैयार कर सकते हैं। इस पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि यह एक संवैधानिक मामला है। हालांकि, कोर्ट ने रेगुलेशन में प्रयुक्त भाषा को लेकर चिंता जताई। चीफ जस्टिस ने कहा कि रेगुलेशन में इस्तेमाल किए गए शब्दों से यह संकेत मिलता है कि इसके दुरुपयोग की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। वहीं, जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने टिप्पणी की कि अदालत समाज में एक निष्पक्ष और समावेशी माहौल बनाने पर विचार कर रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब सेक्शन 2ई पहले से मौजूद है, तो फिर 2सी की प्रासंगिकता कैसे बनती है?

UGC के नए नियमों पर रोक के बाद नीतीश कुमार की पार्टी की पहली प्रतिक्रिया, JDU ने क्या कहा?

पटना। यूजीसी के नए नियमों को लेकर दायर याचिका पर गुरुवार (29 जनवरी, 2026) को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान राहत की खबर सामने आई कि फिलहाल यूजीसी के नए नियमों पर रोक लगा दी गई है। अब 2012 के पुराने नियम ही लागू रहेंगे। इस मामले में अगली सुनवाई 19 मार्च को तय की गई है। इस बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल (यूनाइटेड) की ओर से पहली प्रतिक्रिया सामने आई है। जेडीयू नेता और पार्टी प्रवक्ता अरविंद निषाद ने कहा, "सुप्रीम कोर्ट ने 19 मार्च 2026 तक यूजीसी के नए नियमों पर रोक लगा दी है और भारत सरकार से स्पष्टीकरण मांगा है। जब तक केंद्र सरकार की ओर से जवाब नहीं आता, तब तक इस पर कोई टिप्पणी करना उचित नहीं होगा। फिलहाल सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगाते हुए भारत सरकार को गाइडलाइन और सुझाव देने का

निर्देश दिया है।" जेडीयू की इस प्रतिक्रिया से साफ है कि पार्टी इस मुद्दे पर फिलहाल खुलकर बोलने से बच रही है।

राष्ट्रव्यापी हड़ताल की हो रही थी तैयारी

गौरतलब है कि यूजीसी के नए नियम उच्च शिक्षा संस्थानों में जातिगत भेदभाव रोकने के उद्देश्य से लाए गए थे। हालांकि, सवर्ण संगठनों का आरोप था कि ये नियम सामान्य वर्ग के छात्रों और शिक्षकों के साथ भेदभाव करते हैं और केवल SC/ST/OBC वर्ग को संरक्षण देते हैं। उनका कहना था कि इससे संविधान के अनुच्छेद 14, यानी समानता के अधिकार का उल्लंघन होता है। इसी को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। कोर्ट के फैसले से पहले एक फरवरी को राष्ट्रव्यापी हड़ताल की तैयारी भी की जा रही थी।

बिहार के नवादा में दिखा खुशी का माहौल

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद बिहार के नवादा जिले में सवर्ण समाज के लोगों में खुशी का माहौल देखने को मिला। लोगों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर बधाई दी और सुप्रीम कोर्ट का आभार जताया। उनका कहना था कि यह फैसला बच्चों के भविष्य और समान अवसरों की रक्षा करने वाला है। इलाके में फैसले को लेकर जश्न का माहौल बना हुआ है।

ट्रंप की चेतावनी पर ईरान का पलटवार: अमेरिकी हमले की सूरत में इज़रायल को निशाना बनाने की धमकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु समझौते को लेकर तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। न्यूक्लियर प्रोग्राम और बैलिस्टिक मिसाइल उत्पादन सीमित करने पर दोनों देशों के बीच शुरुआती बातचीत विफल रही है। इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को कड़ी चेतावनी दी है, जिसके जवाब में तेहरान ने भी तीखा पलटवार किया है। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के एक शीर्ष सलाहकार ने कहा है कि अगर अमेरिका ने सैन्य कार्रवाई की, तो उसका सीधा जवाब इज़रायल को निशाना बनाकर दिया जाएगा। ईरान ने साफ किया है कि वह किसी भी अमेरिकी हमले का तुरंत और कठोर जवाब देगा। ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर लिखा कि अमेरिकी युद्धपोतों का एक बड़ा बेड़ा ईरान की ओर बढ़ रहा है और अगला हमला पिछले हमलों से कहीं ज्यादा विनाशकारी होगा। उन्होंने 2025 में

ईरान के तीन न्यूक्लियर ठिकानों पर हुए अमेरिकी हमलों का भी जिक्र किया, जिसमें कई ईरानी वैज्ञानिक मारे गए थे। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वॉशिंगटन ईरान के शीर्ष नेताओं, सुरक्षा अधिकारियों, न्यूक्लियर साइट्स और सरकारी संस्थानों पर हमले के विकल्पों पर विचार कर रहा है। फिलहाल कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है, लेकिन हिंद महासागर के रास्ते अमेरिकी कैरियर स्ट्राइक ग्रुप के आगे बढ़ने से हालात और गंभीर होते नजर आ रहे हैं।

शिक्षकों, शिक्षामित्रों को कैशलेस मेडिकल समेत 30 प्रस्तावों पर योगी कैबिनेट की मुहर

यूपी। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने शिक्षकों और शिक्षामित्रों को बड़ी राहत दी है। गुरुवार को हुई योगी कैबिनेट की बैठक में शिक्षा जगत के लिए ऐतिहासिक कैशलेस मेडिकल बीमा योजना को मंजूरी दी गई। इसके तहत अब शिक्षकों और संबंधित कर्मियों को पांच लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मिल सकेगा। लोकभवन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में करीब दो घंटे चली बैठक में कुल 32 प्रस्ताव रखे गए, जिनमें से 30 को मंजूरी दी गई। इसके साथ ही विधानसभा का बजट सत्र बुलाने के प्रस्ताव पर भी मुहर लगी। बजट सत्र 9 फरवरी से शुरू होगा और 11 फरवरी को बजट पेश किया जाएगा। योगी सरकार ने माध्यमिक और बेसिक शिक्षा विभाग के शिक्षकों के साथ-साथ रसोइयों और अन्य कार्मिकों को भी कैशलेस मेडिकल बीमा की सुविधा देने का फैसला किया है। अशासकीय सहायता प्राप्त विद्यालयों और स्ववित्तपोषित स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों को भी इस कैशलेस चिकित्सा सुविधा का लाभ मिलेगा। बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा संचालित स्कूलों के शिक्षक, शिक्षामित्र, विशेष शिक्षक, अनुदेशक, कस्तूरबा गांधी विद्यालयों का स्टाफ और पीएम पोषण योजना के तहत कार्यरत रसोइयों को सपरिवार कैशलेस इलाज की सुविधा दी जाएगी। सरकार के इस फैसले से बेसिक शिक्षा विभाग के कुल 11 लाख 95 हजार 391 शिक्षक और कर्मी लाभान्वित होंगे। वहीं माध्यमिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत 2 लाख 97 हजार 589 कर्मचारियों को पांच लाख रुपये

तक का कैशलेस इलाज मिलेगा। इसके अलावा मुख्यमंत्री फेलो योजना से जुड़े अभ्यर्थियों को राज्य लोकसेवा आयोग और अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से होने वाली भर्तियों में आयु सीमा में तीन वर्ष की छूट और अनुभव के आधार पर अतिरिक्त भारांक देने का भी निर्णय लिया गया है।

जिलों के लिए विशेष विकास कार्य

कैबिनेट बैठक में प्रदेश के विभिन्न जिलों से जुड़े विकास कार्यों को भी मंजूरी दी गई। बरेली और मुरादाबाद विकास प्राधिकरण को अपने-अपने जिलों में विज्ञान पार्क और नक्षत्रशाला के निर्माण के लिए कार्यदायी संस्था नामित किया गया है। गोरखपुर में 721 करोड़ रुपये और वाराणसी के 18 वार्डों में 266 करोड़ रुपये की लागत से सीवरेज परियोजनाओं को वित्तीय स्वीकृति दी गई है। इसके अलावा लखनऊ-हरदोई सीमा पर प्रस्तावित टेक्सटाइल पार्क के लिए 458 करोड़ रुपये से अधिक की जलापूर्ति योजना को भी पास किया गया है।

मानवीय और अन्य निर्णय

कैबिनेट ने पूर्वी पाकिस्तान (वर्तमान बांग्लादेश) से आए विस्थापित हिंदू बंगाली परिवारों के पुनर्वास के लिए भूमि और आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था को मंजूरी दी है। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश न्यायिक सेवा और सिविल सेवा (कार्यकारी शाखा) नियमावली में संशोधन से जुड़े प्रस्तावों को भी हरी झंडी दे दी गई है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

हवाई हादसे और लापरवाही: कब जागेगा भारत का एविएशन सेक्टर?

महाराष्ट्र के उप-मुख्यमंत्री अजित पवार के असामयिक निधन की खबर ने देश को गहरे सदमे में डाल दिया है। एक पंचायत चुनाव में प्रचार के लिए निजी विमान से जाते समय हुआ यह हादसा केवल एक व्यक्ति की मौत नहीं है, बल्कि यह उस खतरे की ओर इशारा करता है, जो भारत के तेजी से बढ़ते एविएशन सेक्टर के साथ चुपचाप पनप रहा है। अजित पवार को शरद पवार के राजनीतिक उत्तराधिकारी के रूप में देखा जाता था और उनकी सक्रिय राजनीति में मौजूदगी ने इस हादसे को और भी पीड़ादायक बना दिया है। पिछले कुछ वर्षों में भारत में उड्डयन क्षेत्र का तेज विस्तार हुआ है। गैर-सरकारी एयरलाइंस के साथ-साथ निजी जेट, चार्टर्ड प्लेन और हेलीकॉप्टर सेवाओं का चलन तेजी से बढ़ा है। राजनीति, उद्योग, खेल और आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं में इनका उपयोग आम होता जा रहा है। किसी उभरती अर्थव्यवस्था में यह स्वाभाविक भी है, क्योंकि समय की कमी और दूरियों को पाटने के लिए हवाई यात्रा सबसे प्रभावी साधन बनती जा रही है। लेकिन सवाल यह है कि क्या इस विस्तार के साथ सुरक्षा मानकों को उतनी ही गंभीरता से लागू किया गया है? बीते वर्षों की घटनाएं चिंता बढ़ाती हैं। हाल ही में एक विमान दुर्घटना में एक को छोड़कर सभी यात्रियों की मौत हो गई थी, जिनमें गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी भी शामिल थे। इससे पहले देश के पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत का हेलीकॉप्टर क्रैश में निधन हुआ था, जिसने पूरे सुरक्षा तंत्र को झकझोर दिया। इससे भी पहले आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे वाई.एस. राजशेखर रेड्डी, केंद्रीय मंत्री माधव राव सिंधिया, संजय गांधी, लोकसभा अध्यक्ष जी.एम.सी. बालयोगी, अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री दोरजी कांडू और उद्योगपति मोहन कुमारमंगलम जैसे कई नाम हवाई हादसों की लंबी सूची में दर्ज हैं। इन घटनाओं में एक समानता साफ दिखती है—अधिकतर मामलों में निजी या विशेष प्रयोजन वाले विमान और हेलीकॉप्टर शामिल रहे हैं। चार्टर्ड सेवाओं का बढ़ता उपयोग अपने साथ कई जोखिम भी लाता है। इन यानों का रखरखाव, पायलटों का प्रशिक्षण, मौसम आकलन, लैंडिंग और टेक-ऑफ प्रोटोकॉल, तथा उड़ान से पहले की तकनीकी जांच—ये सभी ऐसे पहलू हैं जिनमें जरा-सी चूक जानलेवा साबित हो सकती है। आज जरूरत है कि सरकार एविएशन सेक्टर में केवल विस्तार पर नहीं, बल्कि सख्त निगरानी और जवाबदेही पर भी उतना ही ध्यान दे। निजी ऑपरेटर्स के लिए सुरक्षा ऑडिट को अनिवार्य और पारदर्शी बनाया जाए। पायलटों के कौशल परीक्षण, उड़ान के घंटों की नियमित समीक्षा और मेंटेनेंस रिकॉर्ड की कठोर जांच हो। राजनीतिक दबाव, समय की हड़बड़ी या वीआईपी संस्कृति के कारण सुरक्षा नियमों से कोई समझौता न हो। अजित पवार के निधन से यह सवाल फिर सामने खड़ा हो गया है कि आखिर हम हवाई हादसों में कितने और लोगों को खोने के बाद जागेंगे। एविएशन सेक्टर को देश की प्रगति का प्रतीक बनाना है, तो उसे दुर्घटना-शून्य बनाने की दिशा में गंभीर और ठोस कदम उठाने ही होंगे।

आसन और सिंहासन की भयकारी राजनीति: यूजीसी के नए नियम, सामाजिक विभाजन और चेतना पर मंडराता खतरा

-यूजीसी नियमों के बहाने सत्ता, सियासत और समाज में बढ़ते भय की गहरी पड़ताल

आधुनिक भारत में सत्ता, शासन और संस्थाओं की भूमिका को लेकर एक गहरा असंतोष उभर रहा है। यह असंतोष केवल आर्थिक या प्रशासनिक फैसलों तक सीमित नहीं है, बल्कि वह सामाजिक चेतना, मानसिक स्वतंत्रता और भयमुक्त जीवन के प्रश्नों से भी जुड़ा हुआ है। हाल के दिनों में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नए नियमों को लेकर उठे हंगामे ने इसी व्यापक चिंता को एक बार फिर सामने ला दिया है। सवाल केवल नियमों का नहीं है, सवाल उस सोच का है जो धीरे धीरे 'आसन और सिंहासन' का कर्तव्य ही लोगों को भयग्रस्त करना मान बैठी है।

यूजीसी के नए नियम और विवाद की जड़

यूजीसी के नए नियमों पर इतना हल्ला क्यों है? इसका सीधा उत्तर यह है कि इन नियमों में जाति आधारित टिप्पणियों और शिकायतों के दायरे को पहले से कहीं अधिक व्यापक कर दिया गया है। पहले यह दायरा मुख्यतः अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति तक सीमित था। इसके पीछे ऐतिहासिक कारण थे—दलित वर्ग के साथ सदियों तक हुए सामाजिक अन्याय, उत्पीड़न और अपमान की भरपाई की एक कोशिश। उस दौर में यह मानना तर्कसंगत भी था कि बिना सख्त कानूनों के सामाजिक बराबरी की दिशा में कदम आगे नहीं बढ़ पाएंगे। लेकिन नए नियमों में यह दायरा बढ़ाकर अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग को भी शामिल कर लिया गया है। परिणामस्वरूप केवल सामान्य या अनारक्षित वर्ग ही इस दायरे से बाहर रह गया है। यहीं से विवाद ने तीखा रूप ले लिया। विरोध करने वालों का कहना है कि इन नियमों के बाद सामान्य वर्ग अपने आप ही संदेह के घेरे में आ जाएगा, मानो उसे 'डिफॉल्ट अपराधी' मान लिया गया हो।

भय और असंतुलन का आरोप

विरोध का एक बड़ा कारण यह बताया जा रहा है कि यदि आरक्षित वर्ग की ओर से कोई झूठी शिकायत दर्ज की जाती है, तो उसके लिए नियमों में दंड का स्पष्ट प्रावधान नहीं है। दूसरी ओर, सामान्य वर्ग पर आरोप लगते ही कार्रवाई की तलवार लटक सकती है। यह असंतुलन कई लोगों को भयग्रस्त कर रहा है। उनका तर्क है कि न्याय का अर्थ केवल एक वर्ग को सुरक्षा देना नहीं, बल्कि सभी के लिए समान और संतुलित व्यवस्था बनाना है। यहां यह बात समझना जरूरी है कि सवाल दलित, ओबीसी या किसी भी वर्ग की गरिमा पर उठने वाले हमलों को हल्के में लेने का नहीं है। सवाल यह है कि क्या भय का माहौल बनाकर सामाजिक समरसता लाई जा सकती है? क्या शिक्षा संस्थानों जैसे संवेदनशील स्थानों में अविश्वास और डर का बीज बोना किसी भी समाज के लिए हितकारी हो सकता है?

सियासत, सहानुभूति और वोट की गणित

आलोचकों का एक वर्ग यह भी मानता है कि सरकारें अक्सर पिछड़े वर्गों की सहानुभूति पाने के लिए ऐसे कदम उठाती हैं। संभव है कि भारी विरोध के बाद इन नियमों को वापस ले लिया जाए या उनमें संशोधन कर दिए जाएं। लेकिन तब तक राजनीतिक उद्देश्य पूरा हो चुका होता है—एक संदेश चला जाता है कि सत्ता 'हमारे साथ' है। नियम हटने के बाद भी उस वर्ग की सहानुभूति बनी रहती है, और सियासत इसी गणित पर चलती रहती है। यह कोई नई बात नहीं है। समग्र समाज के बजाय टुकड़ों को ही वास्तविक मानने की राजनीति आज़ादी से पहले भी थी और आज भी है। छोटे छोटे सामाजिक समूह, जो लंबे समय से अन्याय का शिकार रहे हैं, उन्हें पहले उकसाया जाता है, फिर कोरे आश्वासनों की अफीम खिलाई जाती है। धीरे धीरे वे अतिवाद की सीमा तक पहुंचा दिए जाते हैं। बाद में, जब उनकी सभी मांगें पूरी नहीं होतीं, तो वही समूह पूरे शासन तंत्र और अंततः पूरे देश को ही अन्यायपूर्ण घोषित करने लगते हैं।

टुकड़ों से समग्रता तक का खेल

इतिहास गवाह है कि जब टुकड़ों की राजनीति उल्टी पड़ने लगती है, तो वही सत्ताधीश अचानक 'समग्रता' की बात करने लगते हैं। वे बिखरी हुई जातियों और वर्गों को ठोक पीट कर इकट्ठा करने का दावा करते हैं और कहते हैं कि यह सब समग्र सामाजिक विकास के लिए जरूरी है। यह प्रक्रिया अक्सर अनिवार्यता के नाम पर थोप दी जाती है, जबकि इसके पीछे की नीयत और दिशा पर गंभीर सवाल बने रहते हैं। आजादी से पहले अंग्रेजों ने भी यही नीति अपनाई थी। उन्होंने समाज के छोटे छोटे वर्गों को अलग पहचान देकर तोड़ा, उनकी सहानुभूति अर्जित की और फिर उसी समर्थन की मजबूरी में उन्हें जोड़ने का उपक्रम किया। वर्षों तक वे इन्हीं तिकड़मों के सहारे राज करते रहे। फर्क सिर्फ इतना है कि तब सत्ता विदेशी थी, और आज वही तरीके देशी सत्ता के हाथों में दिखाई देते हैं।

राजनीति की आत्मा का सवाल

दरअसल, सियासत की कोई आत्मा नहीं होती—ऐसा कहा जाता है। जिस दिन कोई भी सियासतदान लोगों के पास वोट मांगने नहीं जाएगा, उस दिन शायद राजनीति की आत्मा जाग उठेगी। यह भीतर के आत्मबल और बाहर की सत्ता के अंतर का सवाल है। भयमुक्त होने और भयग्रस्त होने का फर्क यहीं से पैदा होता है। क्योंकि राजनीति में आत्मा नहीं होती, इसलिए उसमें भीतरी शक्ति भी नहीं होती। सत्ता मिलते ही हर व्यवस्था अपनी चेतना का विज्ञान खो बैठती है। आश्वासनों के सहारे सिंहासन पाने की चाहत अंततः उसी के पैरों की जंजीर बन जाती है। सत्ता अपने ही वादों के बोझ तले दबने लगती है और जनता भय, भ्रम और असमंजस के बीच फंस जाती है।

मीरदाद की सीख और आज का समाज

हमारे प्राचीन इतिहास में मीरदाद का नाम आता है। कुछ लोग उनके पास यह सवाल लेकर पहुंचे कि हम इतने उदास क्यों हैं? मीरदाद ने उत्तर दिया—इसका जवाब वह हवा दे सकती है, जिसमें हम सांस लेते हैं। वह हवा, जो हमारे ही खयालों के जहर से भरी हुई है। आज यह बात और भी प्रासंगिक लगती है। हमारे खयालों का जहर अब हमारे घर आंगन, गलियों और दरो दीवारों पर अंकित हो चुका है। हम चेतना या महाचेतना के वारिस नहीं रह गए हैं। हम चीखों के वारिस बनते जा रहे हैं, जख्मों के वारिस, और सड़कों पर बहते लहू के वारिस।

भय की संस्कृति और सत्ता का कर्तव्य

यही वह बिंदु है जहां आसन और सिंहासन, सत्ता और सरकार के कर्तव्य पर सबसे बड़ा प्रश्न खड़ा होता है। क्या सत्ता का काम लोगों को भयग्रस्त करना है? क्या शासन का उद्देश्य नागरिकों को केवल शारीरिक ही नहीं, बल्कि जेहनी और मानसिक गुलामी में भी जकड़ देना है? जब कानून, नियम और नीतियां भय का औजार बन जाएं, तो समाज की रचनात्मकता मरने लगती है। विश्वविद्यालय जैसे स्थान, जो सवाल पूछने, बहस करने और सोचने के केंद्र होने चाहिए, अगर वहीं डर का माहौल बन जाए तो आने वाली पीढ़ियां क्या सीखेंगी?

भयमुक्त चेतना की जरूरत

यूजीसी के नए नियमों पर उठा विवाद केवल एक प्रशासनिक मुद्दा नहीं है। यह हमारे लोकतंत्र, हमारी सामाजिक संरचना और हमारी चेतना की परीक्षा है। अगर हम हर समस्या का समाधान भय और दंड में खोजेंगे, तो हम एक ऐसे समाज की ओर बढ़ेंगे जहां हर व्यक्ति संदेह के घेरे में होगा। जरूरत इस बात की है कि अन्याय के शिकार वर्गों को सुरक्षा भी मिले और न्याय की प्रक्रिया संतुलित, पारदर्शी और भरोसेमंद भी हो। भय के बजाय विश्वास, विभाजन के बजाय समग्रता और सत्ता के बजाय संवेदना—यही किसी भी स्वस्थ समाज की बुनियाद हो सकती है। जब तक आसन और सिंहासन यह समझते रहेंगे कि उनका कर्तव्य लोगों को डराना है, तब तक हम रोज अपनी कोख से खुशियों का सूरज जन्मते देखेंगे और रोज वही सूरज यतीम होता रहेगा। लोकतंत्र की असली परीक्षा अदालतों या संसद में नहीं, बल्कि कक्षाओं, गलियारों और कैंपस की चाय की दुकानों पर होती है—जहां युवा खुलकर सवाल पूछते हैं, असहमति जताते हैं और बिना डर के सोचने की हिम्मत करते हैं। अगर वही स्थान संदेह, शिकायत और डर के साये में आ जाएं, तो समझ लेना चाहिए कि लोकतंत्र की जड़ें सूखने लगी हैं। यूजीसी जैसे संस्थानों की जिम्मेदारी केवल नियम बनाना नहीं, बल्कि ऐसा वातावरण तैयार करना भी है जहां न्याय के साथ-साथ भरोसा जिंदा रहे। जब हर बातचीत संभावित शिकायत बन जाए, हर बहस खतरे की घंटी लगे और हर मतभेद 'अपराध' समझा जाने लगे, तब शिक्षा दीक्षा नहीं, आत्म-सेंसरशिप पनपती है। अगर हम हर सामाजिक घाव पर केवल दंड का पट्टा बांधते रहेंगे, तो मर्ज भीतर ही भीतर सड़ता जाएगा।

कट्टरपंथ, सत्ता संघर्ष और विदेशी दखल के बीच बांग्लादेश चुनाव: भारत की सुरक्षा, कूटनीति और भविष्य दांव पर लगे हैं

-यूनुस सरकार, बीएनपी और जमात की टकराहट में बांग्लादेश की दिशा तय करेगा यह चुनाव

कट्टरपंथ की ओर बढ़ता पड़ोसी देश बांग्लादेश और वहां होने जा रहे आम चुनाव सिर्फ ढाका की सत्ता का सवाल नहीं हैं, बल्कि यह भारत की सुरक्षा, कूटनीति और क्षेत्रीय स्थिरता से सीधे जुड़े हुए हैं। 12 फरवरी को प्रस्तावित चुनाव ऐसे वक्त हो रहे हैं, जब बांग्लादेश भीतर से राजनीतिक उथल पुथल, वैचारिक टकराव और बाहरी ताकतों के दबाव से जूझ रहा है। शेख हसीना के लंबे और स्थिर शासन के बाद पैदा हुआ सत्ता शून्य अब कई दिशाओं में खिंचाव पैदा कर रहा है।

तीन ताकतों का मुकाबला

इस चुनावी रण में मूल रूप से तीन बड़ी ताकतें सक्रिय दिखाई देती हैं। पहली, मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार, जिसे इस्लामिक और पाकिस्तान समर्थित कट्टरपंथी समूहों का समर्थन हासिल है। दूसरी, बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी), जिसकी कमान अब खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान के हाथों में है। तीसरी ताकत प्रत्यक्ष रूप से चुनाव मैदान में भले न दिखे, लेकिन पर्दे के पीछे उसका असर गहरा है—ये हैं विदेशी शक्तियां, जो बांग्लादेश की अस्थिरता में अपने अपने हित साधना चाहती हैं। चीन और पाकिस्तान बांग्लादेश में भारत विरोधी तत्वों को हवा देने में रुचि रखते हैं, जबकि अमेरिका शेख हसीना के बाद एक ऐसे शासन की तलाश में है, जो उसकी रणनीतिक जरूरतों के अनुकूल हो। इस पूरे खेल में बांग्लादेश धीरे धीरे एक बार फिर वैश्विक शक्ति राजनीति का अखाड़ा बनता जा रहा है।

सेंट मार्टिन द्वीप और अमेरिकी दिलचस्पी

शेख हसीना सरकार ने अपने 15 वर्षों के शासन में अमेरिका को बंगाल की खाड़ी में स्थित सेंट मार्टिन द्वीप तक पहुंच नहीं बनाने दी थी। यह द्वीप म्यांमार से महज पांच किलोमीटर दूर है और समुद्री मार्गों, नौसैनिक गतिविधियों और क्षेत्रीय सुरक्षा के लिहाज से बेहद अहम माना जाता है। अमेरिका लंबे समय से इस इलाके में अपनी मौजूदगी बढ़ाना चाहता रहा है, लेकिन हसीना सरकार ने संतुलित विदेश नीति अपनाते हुए इस पर रोक लगाए रखी। यही वजह है कि हसीना के हटने के बाद अमेरिका की सक्रियता अचानक बढ़ती दिख रही है। मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार के साथ उसके रिश्ते अपेक्षाकृत सहज बताए जाते हैं, जिससे भारत की चिंताएं स्वाभाविक हैं।

भारत की संतुलित कूटनीति

गए साल शेख हसीना के बांग्लादेश छोड़ने के बाद भारत ने भावनात्मक प्रतिक्रिया देने के बजाय शांत और संयमित कूटनीति को तरजीह दी। नई अंतरिम सरकार से सीधे टकराव से बचते हुए नई दिल्ली ने संवाद के रास्ते खुले रखे। हालांकि, हसीना को भारत में शरण दिए जाने से यूनुस सरकार और उससे जुड़े इस्लामवादी समूहों में नाराजगी भी साफ दिखी। हसीना का कार्यकाल भारत बांग्लादेश रिश्तों के इतिहास में सबसे स्थिर और फलदायी माना जाता है। सीमा विवादों का समाधान, आतंकवाद पर सहयोग, व्यापार और कनेक्टिविटी—इन सभी मोर्चों पर दोनों देशों ने उल्लेखनीय प्रगति की। ऐसे में उनका अचानक और कथित रूप से कट्टरपंथी दबाव में सत्ता से हटना भारत के लिए बड़ा रणनीतिक झटका था।

भारत के पास दबाव के साधन

इसके बावजूद भारत पूरी तरह असहाय नहीं है। ब्रह्मपुत्र और गंगा जैसी नदियों के जल प्रवाह पर भारत की स्थिति मजबूत है। इसके अलावा बांग्लादेश को भारतीय पावर ग्रिड से बिजली की आपूर्ति भी एक अहम कारक है। ये ऐसे व्यावहारिक दबाव बिंदु हैं, जिनके जरिए भारत जरूरत पड़ने पर ढाका पर असर डाल सकता है। हालांकि, भारत अब भी इस दबाव को खुलकर इस्तेमाल करने से बच रहा है, ताकि जनता के बीच भारत विरोधी भावना और न भड़के।

शेख हसीना की वापसी वाली आवाज

चुनाव नजदीक आते ही शेख हसीना एक बार फिर मुखर हो गई हैं। ढाका छोड़ने के बाद अपने पहले सार्वजनिक भाषण में उन्होंने बांग्लादेशी जनता से यूनुस सरकार और उसके कट्टरपंथी समर्थकों को सत्ता से उखाड़ फेंकने की अपील की। यह बयान सिर्फ घरेलू राजनीति तक सीमित नहीं था, बल्कि इसके क्षेत्रीय संकेत भी थे। भारत के लिए यह एक दोधारी तलवार जैसी स्थिति है। एक ओर हसीना का लौटना भारत के हित में माना जाता है, दूसरी ओर फिलहाल उनकी पार्टी अवामी लीग को चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित कर दिया गया है। ऐसे में सत्ता का असली मुकाबला अब बीएनपी और जमात ए इस्लामी के बीच सिमटता दिख रहा है।

बीएनपी से भारत को उम्मीद क्यों?

ओपिनियन पोल्स के मुताबिक बीएनपी को 70 प्रतिशत से अधिक समर्थन मिलने की बात कही जा रही है। यह वही पार्टी है, जो अतीत में भारत विरोधी रुख के लिए जानी जाती थी। लेकिन तारिक रहमान के नेतृत्व में बीएनपी ने अपने तेवर बदले हैं। पार्टी अब खुद को धर्मनिरपेक्ष, बहुलतावादी और आर्थिक विकास पर केंद्रित विकल्प के रूप में पेश कर रही है। बीएनपी नेतृत्व ने यह भी संकेत दिए हैं कि अगर वह सत्ता में आती है तो भारत के साथ सहयोगपूर्ण रिश्ते बनाए रखे जाएंगे। भारत इसी बदले हुए रुख पर भरोसा कर रहा है। नई दिल्ली को उम्मीद है कि लंबे निर्वासन और बदले वैश्विक हालात ने तारिक रहमान की राजनीति को ज्यादा व्यावहारिक बना दिया होगा।

जमात ए इस्लामी का उभार

बीएनपी की सबसे बड़ी चुनौती जमात ए इस्लामी (जेईआई) है, जो तेजी से कट्टरपंथी रुख अपनाती जा रही है। पहले अवामी लीग के खिलाफ बीएनपी और जमात एक दूसरे के सहयोगी थे, लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। दोनों दलों के कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़पें शुरू हो चुकी हैं। जहां बीएनपी कट्टर इस्लामवाद से हटकर मध्यमार्गी राजनीति की ओर बढ़ने की कोशिश कर रही है, वहीं जमात का रुझान और ज्यादा विषैला होता जा रहा है। जमात के संयोजक नाहिद इस्लाम ने भारत में टी 20 विश्व कप के दौरान बांग्लादेश टीम के मैच न खेलने के फैसले में अहम भूमिका निभाई थी। इसके चलते बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड की टीम को टूर्नामेंट में शामिल किया गया।

क्रिकेट और भारत विरोधी उन्माद

खेल, खासकर क्रिकेट, बांग्लादेश में भावनाओं से गहराई से जुड़ा है।

एआई के युग में शिक्षा की भूमिका सोच विचार तर्क गणित और लिबरल आर्ट्स की अनिवार्यता आज भविष्य समाज के

-तेजी से बदलती तकनीक के दौर में एआई के साथ सीखने और समझने पर जोर

पिछले कुछ वर्षों में आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस (एआई) और खासकर लार्ज लैंग्वेज मॉडल्स (एलएलएम) ने जिस तेज़ी से तरक़्क़ी की है, उसने दुनिया भर में शिक्षा को लेकर नई बहस छेड़ दी है। कई लोग यह मानने लगे हैं कि एआई जल्द ही कॉलेज शिक्षा को अप्रासंगिक बना देगा, विशेषकर लिबरल आर्ट्स यानी मानविकी, समाजशास्त्र और दर्शन जैसे विषयों को। ऐसे विचारों के साथ यह सलाह भी दी जा रही है कि युवाओं के लिए कॉलेज की पढ़ाई छोड़कर सीधे कामकाजी दुनिया में उतर जाना ज़्यादा फ़ायदेमंद होगा। लेकिन यह सोच न केवल अधूरी है, बल्कि भ्रामक भी है। एआई ने गणित सीखने की ज़रूरत को ख़त्म नहीं किया, न ही उसने सोच-विचार, तर्क और विवेचना के महत्व को कम किया है। उलटे, एआई के दौर में इन क्षमताओं की अहमियत और बढ़ जाती है।

एआई का दौर और शिक्षा को लेकर बढ़ती आशंकाएँ

आज एआई ऐसे काम कर रहा है, जो कुछ साल पहले तक केवल इंसानों की बौद्धिक क्षमता से जुड़े माने जाते थे। लेख लिखना, सार निकालना, सवालों के जवाब देना, प्रोग्रामिंग कोड बनाना, डिज़ाइन का प्रारूप तैयार करना—ये सब काम अब मशीनें बड़ी तेज़ी और कुशलता से कर रही हैं। इससे यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब मशीनें इतना कुछ कर सकती हैं, तो फिर इंसान क्या सीखे? इसी संदर्भ में कुछ लोग यह भी कहते हैं कि लिबरल आर्ट्स जैसी पढ़ाई अब बेकार हो जाएगी, क्योंकि एआई पहले से ही जानकारी दे सकता है और विश्लेषण भी कर सकता है। लेकिन यह सोच एक ग़लत धारणा पर टिकी है—कि शिक्षा का मक़सद केवल जानकारी देना या कुछ तकनीकी कौशल सिखाना है। असल में शिक्षा का उद्देश्य इससे कहीं ज़्यादा व्यापक है। यह इंसान को सोचने, समझने, सवाल करने और सही-ग़लत में फ़र्क़ करने की क्षमता देती है।

अनिश्चित भविष्य और “कोहरे में रास्ता”

आधुनिक एआई के अग्रदूतों में गिने जाने वाले नेफ्री हिंटन ने एक बार अपनी फ़ील्ड की तुलना “कोहरे में रास्ता खोजने” से की थी। उनका कहना था कि आप सामने का रास्ता तो देख सकते हैं, लेकिन यह नहीं जानते कि आगे क्या मोड़ आने वाला है। यही स्थिति आज रोज़गार और स्किल्स के भविष्य को लेकर भी है। हम नहीं जानते कि दस या बीस साल बाद कौन-सी नौकरियाँ मौजूद होंगी और कौन-सी पूरी तरह ख़त्म हो जाएँगी। ऐसे में युवाओं को यह कहना कि वे कॉलेज छोड़कर तुरंत श्रम बाज़ार में उतर जाएँ, उन्हें एक अनिश्चित भविष्य के हवाले करना है। व्यावहारिक अनुभव के ज़रिये सीखना ज़रूरी है, लेकिन यह तभी कारगर होता है जब व्यक्ति के पास ठोस बुनियादी समझ हो। बिना मज़बूत शैक्षणिक आधार के केवल अनुभव पर निर्भर रहना जोखिम भरा हो सकता है।

शिक्षा का असली काम: अनुकूलनशील बनाना

शिक्षा का उद्देश्य छात्रों को किसी एक नौकरी के लिए तैयार करना नहीं होना चाहिए। क्योंकि वह नौकरी शायद कुछ ही सालों में अप्रचलित हो जाए। शिक्षा का असली काम छात्रों को अनुकूलनशील (एडाप्टेबल) बनाना है—ताकि वे बदलती परिस्थितियों में भी प्रभावी ढंग से काम कर सकें। यही वह बिंदु है जहाँ उच्च शिक्षा और विशेष रूप से लिबरल एजुकेशन की भूमिका बेहद अहम हो जाती है। लिबरल शिक्षा इस बात पर ज़ोर देती है कि कैसे सोचा जाए, न कि केवल इस पर कि क्या किया जाए। यह छात्रों को सिखाती है: तर्क कैसे गढ़ा जाए, जटिल विचारों को कैसे समझा जाए, ध्यान से पढ़ने और सुनने की कला, स्पष्ट और प्रभावी ढंग से लिखने की क्षमता, साक्ष्यों का मूल्यांकन और आलोचनात्मक सोच, ये वे कौशल हैं जो किसी एक तकनीक या औज़ार पर निर्भर नहीं होते और समय की कसौटी पर खरे उतरते हैं।

क्या तकनीक की अनदेखी करनी चाहिए?

बिल्कुल नहीं। यह कहना कि लिबरल शिक्षा महत्वपूर्ण है, इसका मतलब यह नहीं कि तकनीक को नज़रअंदाज़ कर दिया जाए। इसके उलट, छात्रों को एआई के साथ काम करना सीखना ही होगा। लेकिन यहाँ फर्क समझना ज़रूरी है—एआई का निष्क्रिय उपभोक्ता बनने और सजग यूज़र बनने में। यदि छात्र केवल एआई से तैयार जवाबों पर निर्भर रहेंगे, तो उनकी अपनी सोच कुंद हो सकती है। लेकिन अगर वे एआई को एक औज़ार की तरह इस्तेमाल करेंगे—सवाल पूछने, विकल्पों को परखने और नतीजों का विश्लेषण करने के लिए—तो यह उनकी क्षमता को कई गुना बढ़ा सकता है। इसलिए गणित, तर्कशास्त्र और विवेचन आज भी उतने ही ज़रूरी हैं, जितने पहले थे। बुनियादी किताबों से जुड़ना, क्लासिक ग्रंथ पढ़ना और यह समझना कि तर्क कैसे बनाए और परखे जाते हैं—ये सब एआई के दौर में और भी अहम हो गए हैं।

कैलकुलेटर से एआई तक: इतिहास से सीख

अगर हम इतिहास की ओर देखें, तो पाएँगे कि हर नई तकनीक के आने पर शिक्षा को लेकर ऐसी ही आशंकाएँ जताई गई थीं। जब कैलकुलेटर आए, तब कहा गया कि अब अंकगणित पढ़ाने की ज़रूरत नहीं रहेगी। जब कंप्यूटर आम हुए, तब यह माना गया कि गणनाओं की समझ बेकार हो जाएगी। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। आज भी छात्रों को यह सिखाया जाता है कि गणनाएँ कैसे काम करती हैं। कैलकुलेटर ने केवल गति बढ़ाई, समझ को ख़त्म नहीं किया। इसी तरह, वर्तनी और व्याकरण आज भी महत्वपूर्ण हैं, भले ही स्पेल-चेक और ग्रामर-टूल्स मौजूद हों। वजह साफ़ है—औज़ार मदद कर सकते हैं, लेकिन सोच की जगह नहीं ले सकते। एआई के साथ भी यही स्थिति है। यह हमें तेज़ और कुशल बना सकता है, लेकिन बिना बुनियादी समझ के यह लाभ सीमित रह जाएगा।

पाठ्यक्रम में ज़रूरी बदलाव

आज एलएलएम किसी लेख का सार निकालने, उसके केंद्रीय विचार पहचानने और यहाँ तक कि विश्लेषण करने में भी सक्षम हैं। ये काम लंबे समय से शिक्षा के मूल तत्व रहे हैं। इसी तरह प्रोग्रामिंग, ड्राफ्टिंग और डिज़ाइन जैसे क्षेत्रों में भी एआई तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। इसका मतलब यह नहीं कि इन गतिविधियों को पाठ्यक्रम से हटा दिया जाए। बल्कि इनके उद्देश्य में बदलाव की ज़रूरत है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में पीएमश्री विद्यालय -बन रहे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रतीक

-639 विद्यालय सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में हो रहे विकसित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी सोच के अनुरूप एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में राज्य सरकार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के माध्यम से सुनहरे भविष्य निर्माण की नींव रख रही है। इसी दिशा में प्रदेश के पीएमश्री (प्रधानमंत्री स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया) विद्यालय विद्यार्थियों को स्मार्ट कक्षाओं, प्रशिक्षित शिक्षकों, नवाचारों, गतिविधि-आधारित शिक्षण और मूल्य आधारित अनुशासन के साथ शैक्षणिक रूप से सक्षम बना रहे हैं। ये विद्यालय 'उत्कृष्ट प्रबंधन' की अवधारणा पर आधारित हैं, जहां विद्यार्थियों को व्यवहारिक वातावरण एवं आधुनिक शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इन विद्यालयों में व्यावसायिक शिक्षा को प्रभावी रूप से लागू किया गया है। प्रधानमंत्री स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया (पीएमश्री) योजना के तहत राजस्थान में कुल 639 विद्यालयों को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित किया जा रहा है। पहले चरण में 402 और दूसरे चरण में 237 विद्यालयों में भवनों का कायाकल्प और आधुनिकीकरण करते हुए आधारभूत संसाधनों का विस्तार किया गया है।

बाल वाटिकाओं का हो रहा संचालन-

इन सभी 639 पीएमश्री विद्यालयों में बाल वाटिकाएं संचालित की जा रही हैं। प्रथम चरण के अंतर्गत विद्यालयों में अंश, अनमोल एवं आलोक वर्कबुक, चाइल्ड फ्रेंडली फर्नीचर की व्यवस्था की गई है। सामुदायिक सहभागिता कार्यक्रमों के माध्यम से अभिभावकों को भी शिक्षा प्रक्रिया से जोड़ा जा रहा है, जिससे बच्चों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो। इन बाल वाटिकाओं में एनटीटी शिक्षकों एवं सहायक कर्मियों का भी प्रावधान किया गया है।

डिजिटल लाइब्रेरी, ओ-लैब और एक्सपोजर विज़िट-

प्रदेश के 500 पीएमश्री विद्यालयों में डिजिटल लाइब्रेरी और 142 विद्यालयों में ओ-लैब स्थापित की गई हैं। सत्र 2024-25 में 623 विद्यालयों को 2492 विज्ञान एवं गणित किट उपलब्ध करवाई गई हैं। शैक्षणिक एवं औद्योगिक एक्सपोजर विज़िट के माध्यम से विद्यार्थियों में व्यवहारिक ज्ञान और रोजगारोन्मुखी समझ विकसित की जा रही है।

शिक्षकों के लिए आधुनिक प्रशिक्षण व्यवस्था-

पीएमश्री विद्यालयों के शिक्षकों को आवासीय प्रशिक्षण, एबीएल किट तथा आईआईएम उदयपुर द्वारा नवाचार आधारित नेतृत्व प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा रहा है। जयपुर, सिरोही और उदयपुर में आयोजित कैंप्स ने शिक्षण गुणवत्ता को नई दिशा दी है।

छात्राओं के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण-

राज्य के सभी पीएमश्री विद्यालयों में संविधान कक्ष स्थापित किए जा रहे हैं, जिससे विद्यार्थी लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूक हों। साथ ही, छात्राओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण, मार्शल आर्ट ट्रेनिंग उपलब्ध कराते हुए 144 विद्यालयों में सेनेटरी पैड इंसीनरेटर मशीनों की स्थापना की जा रही है।

पीएमश्री विद्यालयों की पहली बार राज्य स्तरीय रैंकिंग जारी-

पहली बार प्रदेश के सभी 639 पीएमश्री विद्यालयों की रैंकिंग जारी की गई है। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास द्वारा जारी की गई यह रैंकिंग 18 मानकों पर आधारित है। इस रैंकिंग में पीएमश्री धावा (जोधपुर), पीएमश्री सावर (अजमेर), पीएमश्री मानपुरा माचेड़ी (जयपुर), पीएमश्री जोधकिया (हनुमानगढ़) और पीएमश्री रींगस (सीकर) शीर्ष पांच पीएमश्री विद्यालय रहे हैं।

'मस्जिदों पर लगे लाउडस्पीकर कितनी तेज बजेंगे, यह तय करे राजस्थान सरकार', बालमुकुंद आचार्य ने सदन में उठाई मांग

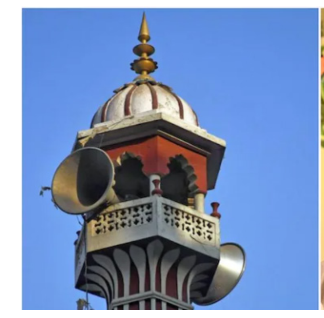

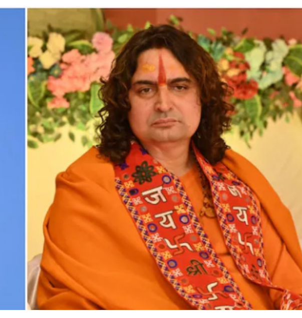

जयपुर। जयपुर में मस्जिदों पर लगे लाउडस्पीकरों की तेज आवाज को लेकर एक बार फिर बहस तेज हो गई है। गुरुवार को राजस्थान विधानसभा के बजट सत्र के दौरान हवामहल से विधायक बालमुकुंदाचार्य ने लाउडस्पीकरों की आवाज तय मानकों के भीतर रखने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि अत्यधिक तेज आवाज के कारण आम नागरिकों, छात्रों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

'ये नागरिकों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन'

विधायक ने सदन में कहा कि जयपुर शहर की कई बड़ी मस्जिदों में चार–पांच मंजिला ऊंची इमारतों पर शक्तिशाली लाउडस्पीकर लगाए गए हैं। इनकी आवाज इतनी तेज होती है कि आसपास के इलाकों में रहने वाले लोगों की नींद और रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि सुबह करीब चार बजे से ही तेज आवाज में माइक बजने लगते हैं, जिससे बच्चों की पढ़ाई और आम लोगों की नींद में खलल पड़ता है। उन्होंने इसे नागरिकों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन बताया।

'टोकने पर विवाद का डर, कोई बदलाव नहीं हुए'

बालमुकुंदाचार्य ने कहा कि कई बार स्थानीय लोगों ने मस्जिद प्रबंधन से लाउडस्पीकर की आवाज कम करने का अनुरोध किया, लेकिन कई मामलों में इससे विवाद की स्थिति बन जाती है। इससे क्षेत्र का माहौल खराब होने का खतरा पैदा हो जाता है। उन्होंने बताया कि वह इस मुद्दे को पहले भी अलग-अलग स्तरों पर उठा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस दिशा-निर्देश या प्रभावी कार्रवाई नहीं हो सकी है।

'रमजान के दौरान और गंभीर हो जाती है स्थिति'

विधायक का कहना है कि रमजान के महीने में यह समस्या और ज्यादा गंभीर हो जाती है। इस दौरान अतिरिक्त लाउडस्पीकर लगाए जाते हैं और पूरी कॉलोनियों में आवाज का स्तर बढ़ा दिया जाता है। इससे बुजुर्गों, बीमार लोगों और छोटे बच्चों को खास तौर पर अधिक परेशानी झेलनी पड़ती है।

'स्पीकर हटाएं, संख्या कम कराएं या लिमिट तय करें'

उन्होंने सरकार से मांग करते हुए कहा कि मस्जिदों के गुंबदों पर लगे लाउडस्पीकरों की संख्या कम कराई जाए या उन्हें हटाया जाए और उनकी आवाज की अधिकतम सीमा स्पष्ट रूप से तय की जाए। बालमुकुंदाचार्य ने कहा कि उनकी यह मांग किसी धर्म के खिलाफ नहीं है, बल्कि ध्वनि प्रदूषण से आम जनता को राहत दिलाने के उद्देश्य से है।

संतुलित और नियमों के अनुसार निर्णय लेने की अपील

विधायक ने जोर देकर कहा कि यदि समय रहते इस विषय पर नियमों को सख्ती से लागू किया जाए, तो विद्यार्थियों की पढ़ाई, बुजुर्गों के स्वास्थ्य और आम लोगों की दिनचर्या को राहत मिलेगी। साथ ही शहर में सांप्रदायिक सौहार्द भी बना रहेगा। उन्होंने राज्य सरकार से अपील की कि इस संवेदनशील मुद्दे पर संतुलित और नियमों के अनुसार फैसला लिया जाए, ताकि सभी वर्गों के हित सुरक्षित रह सकें।

मिलावट के खिलाफ बड़ी कार्रवाई: 43 हजार लीटर घी किया सीज

-पूर्व में भी घी का नमूना पाया गया था अनसेफ

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में प्रदेश में मिलावट के खिलाफ सख्त अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में गुरूवार को खाद्य सुरक्षा विभाग ने 'शुद्ध आहार—मिलावट पर वार' अभियान के तहत एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 43 हजार लीटर से अधिक घी मिलावट के संदेह पर जब्त किया। खाद्य सुरक्षा आयुक्त डॉ. टी शुभमंगला ने बताया कि जयपुर में श्याम विहार कॉलोनी, माचेड़ा स्थित फर्म गिरधर मिल्क फूड प्रोडक्ट भोग विनायक ब्राण्ड से घी का उत्पादन करती है। प्रतापगढ़ जिले में भोग विनायक ब्राण्ड घी के नमूने जांच रिपोर्ट में अनसेफ पाये गये थे। इस पर अतिरिक्त आयुक्त भगवत सिंह एवं अभिहित अधिकारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम डॉ. रवि शेखावत के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा अधिकारी दल ने मैसर्स गिरधर मिल्क फूड प्रोडक्ट, माचेडा, जयपुर पर पहुंचकर जांच की तो पाया की फर्म का जो पता खाद्य अनुज्ञा पत्र एवं कार्यालय रिकॉर्ड में है, वहां पर नहीं होकर चोरी-छिपे अन्य स्थान से घी का कारोबार कर रही थी, जो खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम की पूर्ण अवहेलना है।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी दल ने मौके पर पाया कि इस संस्थान पर एक अन्य फर्म जिसका नाम श्री श्याम मिल्क फूड प्रोडक्ट है भी संचालित हो रही है। दोनों फर्मों के तीन गोदामों में भोग विनायक ब्राण्ड का 9065 लीटर घी विभिन्न पैकिंग साइज में, हरियाणा क्रीम ब्राण्ड का 17741 लीटर एवं नक्ष डेयरी ब्राण्ड का 16617 लीटर घी विभिन्न पैकिंग साइज में पाया गया। सभी ब्राण्ड के नमूने लेने के बाद इस 43 हजार 421 लीटर घी को मौके पर सीज किया गया। नमूनों की जांच के बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अन्तर्गत नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। अतिरिक्त आयुक्त ने बताया कि पूर्व में केंद्रीय प्रयोगशाला जयपुर की रिपोर्ट में भोग विनायक ब्राण्ड घी का नमूना जांच में अनसेफ पाया गया था। इस पर प्रदेशभर में बाजार से इस घी को तत्काल वापस लिए जाने के लिए आदेश जारी किए गए थे। फर्म के खिलाफ मिली अनियमितताओं के दृष्टिगत खाद्य अनुज्ञा पत्र निरस्त किये जाने की कार्रवाई भी की जा रही है।

"एक भारत श्रेष्ठ भारत" की आत्मा है कश्मीर- राज्यपाल

-राज्यपाल बागडे से कश्मीर के छात्र प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से गुरुवार को लोकभवन में भारत दर्शन के अंतर्गत कश्मीर के छात्र प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। राज्यपाल ने इस दौरान प्रतिनिधिमंडल से संवाद करते हुए कहा कि एक भारत श्रेष्ठ भारत की आत्मा है कश्मीर। विविधता में एकता लिए भारत की संस्कृति प्रांतों की परम्पराओं, वहां के ऐतिहासिक स्थलों और प्रकृति से जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि "भारत दर्शन" का अर्थ ही है, एक भारत श्रेष्ठ भारत से साकार होना। उन्होंने कश्मीर के इतिहास, संस्कृति और वहां की परम्पराओं को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह भारत की आत्मा है। हम सभी मां भारती के लिए सोच रखते हुए कार्य करें। दसवीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, श्रीनगर के साथ आए इस "भारत दर्शन" प्रतिनिधिमंडल में कश्मीर के श्रीनगर, पुलवामा, बारामुला, कुपवाड़ा आदि क्षेत्रों के विद्यार्थियों ने राज्यपाल बागडे से यात्रा और भारतीय संस्कृति को लेकर अपने अनुभव भी साझा किए। राज्यपाल ने सभी को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव ने जिला स्तरीय अधिकारियों से वीसी के जरिए किया संवाद

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती अपर्णा अरोड़ा ने गुरुवार को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता निदेशालय, विशेष योग्यजन निदेशालय और अनुजा निगम के जिला स्तरीय अधिकारियों से वीसी के माध्यम से जुड़कर विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा बैठक ली और उनके प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने अधिकारियों से प्रत्येक योजना की बिंदुवार जानकारी लेकर प्रगति जानी। इस दौरान सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना, पालनहार योजना, पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप योजना, मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना, मुख्यमंत्री पुनर्वास गृह, स्वयंसिद्धा आश्रम, आवासीय विद्यालय, छात्रावास, अंतरजातीय विवाह योजना, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, सिलिकोसिस, यूडीआईडी कार्ड, संयुक्त सहायता अनुदान योजना सहित विभिन्न योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। श्रीमती अरोड़ा ने पेंशन सत्यापन, छात्रवृत्ति के लंबित मामलों, घुमंतू अर्धघुमंतु समुदाय के पहचान पत्र, दिव्यांगजनों को यूडीआईडी कार्ड सहित अन्य प्रकरणों को मिशन मोड पर कार्ययोजना बनाकर निस्तारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रदेश भर में चल रहे वृद्ध आश्रम, स्वयंसिद्धा आश्रम, मुख्यमंत्री पुनर्वास गृहों और छात्रावासों के संचालन में गुणवत्तायुक्त सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिला स्तरीय अधिकारी प्रो एक्टिव होकर संचालित योजनाओं की मॉनिटरिंग करें और किसी भी तरह की समस्या होने पर उच्चाधिकारियों को तुरंत अवगत कराएं ताकि योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों को तुरंत मिल सके। निदेशक आशीष मोदी ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन सत्यापन में गति लाने, बैंक खाता विवरण एनपीसीआई से सत्यापन नहीं होने पर पेंशनर्स से व्यक्तिगत संपर्क कर जनाधार पर डाटा त्रुटि सुधार करने, फोकस्ड ग्रुप बनाकर पेंशनर्स से जुड़ी समस्याओं के निस्तारण करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति में आवेदन की तिथि को बढ़ाकर 28 फरवरी कर दिया गया है। अधिकारीगण व्यापक प्रचार-प्रसार कर और कैंप लगाकर पात्र अभ्यर्थियों से ज्यादा से ज्यादा आवेदन करवाएं। आयुक्त निदेशालय विशेष योग्यजन इकबाल खान ने सिलिकोसिस, दिव्यांगजन पहचान पत्र, संयुक्त सहायता अनुदान योजना सहित अन्य विभागीय योजनाओं के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। बैठक में संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पुलिस थाना मनोहरपुर की यातायात नियमों की अवहेलना करने वालो के खिलाफ कठोर कार्यवाही

-यातायात नियमों की अवहेलना करने पर दो ट्रक किये जप्त

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। श्रीमती राशि डोगरा डूडी आईपीएस, उप महानिरीक्षक पुलिस, सह-पुलिस अधीक्षक जिला जयपुर ग्रामीण ने जानकारी देते हुये बताया है कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शाहपुरा रणवीर सिंह व वृत्ताधिकारी शाहपुरा मुकेश चौधरी के निकटतम सुपरविजन में तथा थानाधिकारी मनोहरपुर सुरेन्द्र सिंह पुलिस निरीक्षक, नितिन चौधरी आईपीएस (प्रोबे.) के नेतृत्व में सड़क सुरक्षा अभियान के तहत कार्यवाही करते हुए दिनांक 28.01.2026 को एनएच-48 पर रोंग साईड में चलने वाले दो वाहन चालकों के विरुद्ध कार्यवाही करते हुये प्रकरण दर्ज कर दो ट्रक जप्त कर दो चालकों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस कार्यवाही विवरणः

थाना मनोहरपुर से दि 28.01.2026 को नितिन चौधरी आईपीएस (प्रो.) मय जाप्ता के थाने से रवाना होकर संध्याकालिन गश्त करते हुये एन.एच.ए.आई. के कार्यालय से आगे जयपुर दिल्ली रोड़ पर पहुंचे तो एन.एच. 48 पर जयपुर दिल्ली रोड़ पर शाहपुरा की तरफ से रोंग साईड से दो ट्रक चालक अपने अपने ट्रकों को अत्यधिक तेजगति, उतावलेपन, लापरवाही और उपैक्षापूर्ण तरीके से चलाते हुए ला रहे थे जिन दोनों ट्रक टाटा बन्द बॉडी कन्टेनर नम्बर RJ 14 GP 4210 व टाटा ट्रक 12 चक्का नम्बर RJ 52 GA 0757 को रुकवाया गया। टाटा बन्द बॉडी कन्टेनर नम्बर RJ 14 GP 4210 के चालक का नाम पता पूछा तो अपना नाम शिवराम पुत्र मोतीराम जाति जाट निवासी गढ का बास, जोगियों का मोहल्ला, कोटखाबदा थाना कोटखाबदा जिला जयपुर व टाटा ट्रक ट्रक 12 चक्का नम्बर RJ 52 GA 0757 के चालक ने अपना नाम मुकेश कुमार पुत्र ख्यालीराम जाति मीणा निवासी डेरा की ढाणी, आरटीओ कार्यालय के पास बिदारा थाना शाहपुरा जिला जयपुर होना बताया है। उक्त दोनो ट्रक चालको द्वारा इस प्रकार सार्वजनिक मार्ग एन.एच. 48 पर भारी वाहन को गलत साईड एवं अत्यधिक तेजगति, उतावलेपन, लापरवाही और उपैक्षापूर्ण तरीके से चलाने से सड़क पर चलने वाले राहगीरों, वाहन चालकों, एन.एच.ए.आई. कार्यालय कर्मचारियों के मानव जीवन को खतरे में डाल रहे थे। जिनके विरुद्ध थाना मनोहरपुर पर प्रकरण संख्या 29/26 अपराध धारा 281,125 बीएनएस व 184, 181 (3) मोटरयान अधिनियम 1988 में प्रकरण दर्ज कर दोनो वाहनों के चालकों शिवराम व मुकेश कुमार को गिरफ्तार किया जाकर दोनो ट्रकों को जप्त किया गया है।

देवनानी से उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री नरेंद्र कश्यप ने की शिष्टाचार मुलाकात

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से गुरुवार को उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री नरेंद्र कश्यप ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने राजस्थान विधानसभा की कार्यप्रणाली, संसदीय परंपराओं एवं सदन की व्यवस्थाओं के संबंध में चर्चा की। नरेंद्र कश्यप ने सदन की कार्यवाही भी देखी और विधानसभा की सुव्यवस्थित एवं गरिमामयी कार्यप्रणाली की सराहना की। उन्होंने कहा कि राजस्थान विधानसभा की संसदीय कार्यशैली लोकतांत्रिक मूल्यों को सशक्त रूप से प्रतिबिंबित करती है। विधानसभा अध्यक्ष ने कश्यप का स्वागत करते हुए कहा कि विभिन्न राज्यों के जनप्रतिनिधियों के बीच इस प्रकार का संवाद और अनुभव साझा करना संघीय ढांचे को और अधिक मजबूत करता है। यह आपसी सहयोग, समन्वय और लोकतांत्रिक परंपराओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक सकारात्मक कदम है।

आबादी क्षेत्र में ही होगा उप जिला अस्पताल,बगरू का निर्माण - चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह ने गुरुवार को विधानसभा में कहा कि गत राज्य सरकार ने बगरू कस्बे की पीएचसी को सीएचसी में क्रमोन्नत कर आबादी क्षेत्र से बाहर कर दिया था। इस सीएचसी को वर्तमान राज्य सरकार ने उप जिला अस्पताल का दर्जा दे दिया है और शीघ्र ही इसका कस्बे के आबादी क्षेत्र में निर्माण किया जाएगा, जिससे क्षेत्रवासियों को उनके निकट ही चिकित्सा सेवाएं सुलभ हो सकेगी। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य कैलाश वर्मा द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि बगरू विधानसभा क्षेत्र में स्थित वाटिका की पीएचसी के लेबर रूम का 6 अगस्त 2025 को अधिकारियों द्वारा निरीक्षण किया गया। इसके उपरांत राज्य सरकार द्वारा पीएचसी वाटिका के नवीन लेबर रूम निर्माण के लिए 50 लाख रुपये स्टेट फंड का प्रावधान किया गया, जिसे आगामी अप्रेल माह में जारी कर दिया जाएगा। इससे पहले विधायक वर्मा के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र बगरु में विगत दो वर्षों में एक सीएचसी, एक पीएचसी तथा 9 उप केंद्रों के भवन निर्माण के लिए वित्तीय स्वीकृति प्राप्त हुई हैं। उन्होंने इनके प्रगतिरत कार्यों का विवरण सदन के पटल पर रखा। उन्होंने बताया कि इस क्षेत्र में चालू/आगामी वित्तीय वर्षों में वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता एवं गुणावगुण के आधार पर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के भवन के नवीन निर्माण पर विचार किया जा सकेगा। इस दौरान उन्होंने विधान सभा क्षेत्र बगरू के जर्जर/जीर्ण-शीर्ण स्वास्थ्य केन्द्रों की सूची सदन की मेज पर रखी।

UGC पर SC के फैसले का राजपूत करणी सेना ने किया स्वागत, लेकिन आंदोलन रहेगा जारी

जयपुर। यूजीसी के नए नियमों पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा रोक लगाए जाने के फैसले पर राजपूत करणी सेना ने संतोष जताया है। संगठन के अध्यक्ष महिपाल सिंह मकराना ने कहा कि यह फैसला फिलहाल राहत देने वाला है, हालांकि इसे उन्होंने "लॉलीपॉप" करार दिया। इसके बावजूद उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए शीर्ष अदालत का आभार जताया। मकराना ने साफ किया कि नए नियमों के खिलाफ करणी सेना का आंदोलन आगे भी जारी रहेगा और इसे रोका नहीं जाएगा। उनका कहना है कि जब तक सरकार अपने स्तर पर इन नियमों को पूरी तरह वापस नहीं लेती, तब तक आंदोलन चलता रहेगा।

'अगर वापस नहीं लिया तो उग्र आंदोलन करेंगे'

महिपाल सिंह मकराना ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि सरकार ने यूजीसी के नए नियमों को वापस नहीं लिया, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार की नीति से स्वर्ण समाज के बच्चों के साथ भेदभाव हो रहा है। मकराना ने आरोप लगाया कि जिनके अपने बच्चे नहीं हैं, वही स्वर्ण वर्ग के बच्चों के भविष्य के साथ अन्याय करना चाहते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार (29 जनवरी) को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नए नियमों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार और यूजीसी को नोटिस जारी किया। इसके साथ ही शीर्ष अदालत ने फिलहाल यूजीसी के नए रेगुलेशन पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अगली सुनवाई 19 मार्च को होगी और तब तक वर्ष 2012 के यूजीसी रेगुलेशन ही लागू रहेंगे। इस मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने की। याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने दलील दी कि यूजीसी के नए नियमों के सेक्शन 3सी को चुनौती दी गई है। उनका तर्क था कि रेगुलेशन में भेदभाव की जो परिभाषा दी गई है, वह संविधान के अनुरूप नहीं है। उन्होंने कहा कि संविधान के अनुसार भेदभाव का सवाल सभी नागरिकों से जुड़ा है, जबकि नए यूजीसी नियमों में इसे केवल कुछ विशेष वर्गों तक सीमित कर दिया गया है। उनके मुताबिक यह परिभाषा अधूरी होने के साथ-साथ संवैधानिक भावना के भी खिलाफ है।

उज्ज्वला योजना में 30 तक ई-केवाईसी नहीं करवाई तो कनेक्शन ब्लॉक होगा

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। सुप्रीम गैस एजेंसी मनोहरपूर के प्रोपराइटर इंद्र कुमार अग्रवाल जयपुर ग्रामीण एलपीजी फेडरेशन के सेक्रेटरी ने बताया कि अब सभी गैस उपभोक्ताओं के लिए अपने कनेक्शन की ई-केवाईसी करवाना अनिवार्य हो गया है। उन्होंने बताया कि यह प्रक्रिया एजेन्सी स्टाफ द्वारा करवाई जा रही है, जिससे उपभोक्ताओं को किसी प्रकार का खर्चा नहीं उठाना पड़ेगा। उज्ज्वला योजना के अंतर्गत आने वाले उपभोक्ताओं के लिए ई-केवाईसी 28 फरवरी तक करवाना अनिवार्य है। इसके बाद ई-केवाईसी नहीं करवाने वाले कनेक्शन ब्लॉक कर दिए जाएंगे। अग्रवाल ने कहा कि उज्ज्वला उपभोक्ता की मृत्यु होने की स्थिति में कनेक्शन परिवार के किसी सदस्य के नाम स्थानांतरित करवाया जा सकता है। वहीं, उपभोक्ता अपनी ई-केवाईसी एचपी पे ऐप के माध्यम से भी कर सकते हैं। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि समय पर ई-केवाईसी न करवाने पर कनेक्शन ब्लॉक होने के साथ उपभोक्ता को गैस सिलेंडर भी उपलब्ध नहीं होगा। और ना ही उनकी सब्सिडी आएगी ई-केवाईसी का उद्देश्य उपभोक्ता की पहचान और सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए

टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912

कचरा गाड़ी के लिए

ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420

पुलिस की मदद के लिए

साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए

जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400

मेडिकल इमरजेंसी के लिए

एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771

घायल पशुओं के लिए

नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

मोहित सिंह हाडा ने 26 घंटे की ऐतिहासिक दौड लगाकर एशिया बुक ऑफ रिकार्ड में नाम दर्ज कराया

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका) । बारां जिले के लिए गौरव और इतिहास रचने वाला क्षण तब आया, जब धावक मोहित सिंह हाड़ा ने लगातार 26 घंटे की ऐतिहासिक दौड़ सफलतापूर्वक पूर्ण की। इस अद्त उपलब्धि के लिए एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड के प्रतिनिधि भानु जी द्वारा मोहित सिंह हाड़ा को एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड का प्रमाण पत्र एवं पदक प्रदान किया गया। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बारां-अटरू विधायक राधेश्याम बैरवा रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में महावीर सिंह हाड़ा उपस्थित रहे। बारां रनर्स क्लब के अध्यक्ष अंकित खंडेलवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि दौड़ के समापन के साथ ही पूरे खेल संकुल और बारां शहर में उत्सव जैसा माहौल बन गया। प्रातःकाल से ही मोहित के साथ सैकड़ों शहरवासी दौड़े, उनकी जीत के साक्षी बने और जगह-जगह फूल-मालाओं से मोहित का भव्य स्वागत किया गया। दौड़ पूर्ण होने के पश्चात जिला कलेक्टर महोदय रोहिताश्व सिंह तोमर ने और अन्य गणमान्य नागरिकों के द्वारा मंडी प्रांगण में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में मोहित सिंह हाड़ा को समस्त शहरवासियों के बीच सम्मानित किया गया। इस ऐतिहासिक दौड़ में मोहित को प्रोत्साहित करने एवं उनके साथ दौड़ने के लिए कई शहरों से धावक बारां पहुंचे, जिन्होंने दिन-रात जागकर मोहित का मनोबल बनाए रखा। मोहित सिंह हाड़ा ने अपनी जीत का श्रेय अपने परिवार, अपने वरिष्ठ प्रशिक्षक शक्ति सिंह हाड़ा एवं बारां रनर्स क्लब के समस्त सदस्यों को दिया, जिन्होंने पूरे 26 घंटे उनके साथ रहकर इस रन को सफल बनाया। साथ ही उन्होंने जिला कलेक्टर का विशेष आभार व्यक्त किया। दौड़ के अंतिम क्षणों में शहर के सैकड़ों नागरिकों के साथ-साथ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश चौधरी ने भी मोहित के साथ दौड़ लगाई, जिससे माहौल और भी भावुक व ऐतिहासिक बन गया। मोहित की जीत के बाद खेल संकुल में भावनाओं का सैलाब उमड़ पड़ा। कहीं खुशी के आँसू थे, कहीं मुस्कान, तो कहीं लोग अपनी भावनाओं को मौन में संभालते नजर आए। पूरा शहर ऐसे झूम उठा मानो मोहित की जीत, हर बारां वासी की अपनी जीत हो। इस अवसर पर अंकित खंडेलवाल ने यह भी कहा कि अब बारां शहर को एक सिंथेटिक रनिंग ट्रैक की अत्यंत आवश्यकता है, ताकि मोहित जैसे और प्रतिभाशाली धावक तैयार किए जा सकें। वर्तमान में ट्रैक की स्थिति दयनीय होने के बावजूद मोहित ने यहां इतिहास रच दिया, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनेगा।

पठान वेलफेयर सोसाइटी ने किया अंजुमन सदर का भव्य स्वागत

बारां (रॉयल पत्रिका) । हाल ही में अंजुमन चुनाव में जीत दर्ज करके निर्वाचित हुए सदर मोहम्मद शाहिद मन्नू पठान के स्वागत सत्कार का सिलसिला बदस्तूर जारी है। बुधवार को पठान वेलफेयर सोसाइटी द्वारा नवनिर्वाचित सदर मन्नू पठान का निजी होटल में सोसायटी के सदर मोहम्मद इलयास पठान के नेतृत्व में स्वागत किया गया। सोसाइटी के सभी सदस्यों ने माला और शॉल ओढ़ाकर मुंह मीठा करवाकर स्वागत किया गया। ओर मुबारकबाद पेश की गई। इस दौरान पूर्व ईदगाह सदर साजिद खान लजीज, पूर्व पार्षद जाकिर खान, मास्टर मुमताज खान, रईस खान बर्तन वाले, जुगनू पठान, राजू खान बर्तन वाले, अलीम पठान, मतीन पठान, मुबारक पठान, हाफिज आशु पठान, फिरोज पठान, इशरत खान, एडवोकेट परवेज पठान, अबरार पठान, अकील पठान, शाहरुख पठान, करीम खान सहित शूरा सदस्य मौजूद रहे।

मनरेगा श्रमिकों का धरना प्रदर्शन, 6 नंबर फार्म भरने पर सहमति

-सड़क जाम करने के बाद पहुंचें बीडीओ

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर/बीझबायला (रॉयल पत्रिका)। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के आह्वान पर मनरेगा श्रमिकों को काम देने, स्मार्ट मीटर योजना वापिस लेने, मेडिकल नशे पर अंकुश लगाने, खाद्य सुरक्षा आदि मांगों को विभिन्न गांवों के सैकड़ों मजदूरों ने उपतहसील बीँझबायला पर सुबह से शाम तक धरना प्रदर्शन का दौर चला बीडीओ से वार्ता करने के लिए मनरेगा श्रमिकों ने देर तक इंतजार किया आखिर मनरेगा श्रमिकों द्वारा सड़क जाम करने के तुरंत बाद बीडीओ पहुंच गए। बीडीओ में वार्ता दौरान सरकार की पॉलिसी के तहत मनरेगा श्रमिकों को काम देने में असमर्थता जताई उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों से नए कामों के प्रस्ताव भिजवाने के बाद ही काम शुरू हो सकता है वहीं बीडीओ ने आश्वस्त किया कि 6 नंबर फार्म भरने से किसी श्रमिक को मनाही नहीं है फार्म की रसीद भी दी जाएगी 30 जनवरी को ग्राम पंचायत बीझबायला, 31 जनवरी को 34 एलएनपी, 1 फ़रवरी को घुमड़वाली में सुबह 10 बजे फार्म भरने का निर्णय लिया गया। बिजली को जबरदस्ती एवं बिना उपभोक्ता की सहमति के स्मार्ट मीटर नहीं लगाने की मांग की है।

मनरेगा को बर्बाद करने में दोनों सरकारों की भूमिका - कॉमरेड रविंद्र तरखान

मनरेगा श्रमिकों को संबोधित करते हुए कॉमरेड रविंद्र तरखान ने भाजपा और कांग्रेस दोनों पर मनरेगा को बर्बाद करने का आरोप लगाया उन्होंने कहा कि मनरेगा का केवल नाम नहीं बदला बल्कि रोज़गार की गारंटी को ख़त्म करने के लिए डिमांड आधारित कानून को सप्लाई आधारित योजना बना दिया गया। तरखान ने कहा लंबे समय से पड़ी बंद पड़ी मनरेगा को कांग्रेस चाहती तो 100 दिन पूरे करा देती वहीं भाजपा नए बदलावों के तहत मनरेगा क़ानून को कमजोर करने में लगी है। तरखान ने कहा कि मनरेगा श्रमिकों को एकजुट होकर मनरेगा बचाने की मुहीम शुरू करनी होगी अन्यथा गांवों में रोज़गार मिलना मुश्किल हो जाएगा। इस मौके पर खेत मजदूर यूनियन के जिलाध्यक्ष जीत सिंह धरिंगावाली, रेशम सिंह, सुखवीर सिंह फौजी, लखवीर सिंह बराड़, बलराम नैन, श्रवण सिंह समरा, कैलाश पूनिया, गौतम गौड़, साहिल मायल, अजय कुमार, जोगजीत गौड़, सुरेन्द्र सुथार, मनीराम मेघवाल, भीम आर्मी से राजकुमार बाजीगर, हंसराज रोझ, सुभाष डागला, अरविंद साहू, केदार वर्मा आदि लोगों सहित बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल रही।

वैन की टक्कर से बाइक सवार वृद्ध की मौत, बेटा गंभीर घायल, जयपुर रेफर

शफीक अली

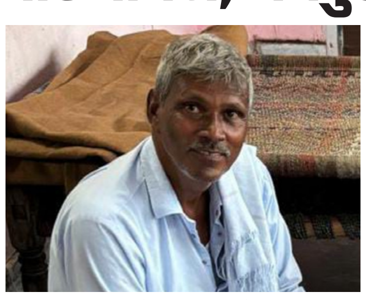

महवा/मंडावर (रॉयल पत्रिका)। थाना क्षेत्र के ऊकरूंद गांव में सुबह भीषण सड़क हादसे में एक वृद्ध की जान चली गई और उनका बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार नानकराम मीणा (68) पुत्र जिम्बूराम मीणा निवासी उकरूंद अपने बेटे हबलेश मीणा के साथ उसको इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन पकड़वाने के लिए सुबह करीब साढ़े 7 बजे मोटरसाइकिल से मंडावर रेलवे स्टेशन जा रहा था। इसी दौरान टहलडी चौराहे के पास पहुँचे। जहां सामने से आ रही एक तेज रफ्तार अज्ञात वैन ने अनियंत्रित होकर उनकी मोटरसाइकिल को जबरदस्त टक्कर मार दी। जिससे उनकी मोटरसाइकिल पास ही स्थित एक खाई में जा गिरी और दोनों पिता-पुत्र सड़क के दूसरी ओर जा गिरे। जहां सड़क हादसे को देख मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। भीड़ ने तुरंत सड़क हादसे की सूचना पुलिस को दी। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और तत्परता दिखाते हुए घायलों को राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मंडावर में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सकों ने नानकराम मीणा को मृत घोषित कर दिया। वहीं हबलेश मीणा की गंभीर हालत होने पर प्राथमिक उपचार कर जयपुर रैफर कर दिया गया। वहीं पुलिस ने मृतक नानकराम मीणा के शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया। इधर सड़क हादसे के बाद समाचार लिखें जाने तक मृतक की ओर थाना पुलिस में मामले से संबंधित कोई मुकदमा दर्ज नहीं हुआ है।

तौफीक खान बने एनएसयूआई के प्रदेश सचिव

चूरू(रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर एनएसयूआई भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन शीर्ष नेतृत्व के निर्देशानुसार तोफिक खान, चुरू को एनएसयूआई राजस्थान प्रदेश का प्रदेश सचिव नियुक्त किया गया है। ओर कहा गया है कि हमें पूर्ण विश्वास है कि आप संगठन को सशक्त बनाएँगे तथा अपने दायित्वों का निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे। तौफीक खान ने राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष विनोद जाखड़ का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मैं सदैव ही संगठन के हित में कार्य करूंगा संगठन को मजबूती प्रदान करूंगा एनएसयूआई कार्यकर्ताओं में उत्साह है। सभी ने बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की।

गुजरात दौरे को लेकर इंजीनियर इंसाफ अली आज़ाद की AICC अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी से अहम रणनीतिक बैठक

-कांग्रेस संगठन को मजबूत बनाने व दौरे की रूपरेखा तय

शब्बीर हुसैन

कोटा (रॉयल पत्रिका)। 29 जनवरी 2026 को सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (AICC) के राष्ट्रीय संयोजक एवं अनुशासनात्मक समिति के सदस्य तथा गुजरात प्रदेश के प्रभारी, इंजीनियर इंसाफ अली आज़ाद पीरजादा के निजी सचिव द्वारा एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया गया कि इंजीनियर इंसाफ अली आज़ाद ने नई दिल्ली स्थित AICC कार्यालय में इमरान प्रतापगढ़ी अध्यक्ष, AICC अल्पसंख्यक विभाग एवं सांसद (राज्यसभा) से मुलाकात की। मुलाकात का मुख्य विषय था गुजरात में आगामी 5 दिवसीय संगठनात्मक दौरे की रूपरेखा, स्थानीय नेतृत्व की सक्रिय भागीदारी और राज्य में कांग्रेस संगठन के पुनर्निर्माण एवं सुदृढ़ीकरण की रणनीतियाँ। बैठक में अल्पसंख्यक समुदायों तक प्रभावी पहुँच, जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत बनाने और आगामी कार्यक्रमों के समन्वय पर विशेष चर्चा की। यह दौरा गुजरात में कांग्रेस संगठन को और अधिक सक्रिय, सशक्त और जनसमर्थक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। आजाद का उक्त दौरा 30 जनवरी से प्रारंभ होगा।

अनूपगढ़ नगरपालिका में एसीबी का बड़ा ट्रैप:

48 हजार की रिश्वत लेते अकाउंटेंट, स्टोर कीपर सहित 3 कार्मिक रंगे हाथों गिरफ्तार

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका) अनूपगढ़ नगरपालिका में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (ACB) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नगरपालिका के अकाउंटेंट सुनील कुमार, स्टोर कीपर सुरेश कुमार तथा एक अन्य कार्मिक भरत सोनी को 48 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों ट्रैप किया है। यह रिश्वत कचरा उठाव के टेंडर की पेमेंट जारी करने की एवज में मांगी जा रही थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित पक्ष द्वारा रिश्वत मांगने की शिकायत एसीबी को दी गई थी। शिकायत का सत्यापन होने के बाद एसीबी ने योजनाबद्ध तरीके से जाल बिछाया और आरोपियों को रिश्वत लेते हुए पकड़ लिया। ट्रैप की कार्रवाई से नगरपालिका कार्यालय में हड़कंप मच गया। यह पूरी कार्रवाई एसीबी एएसपी पवन मीणा के नेतृत्व में की गई। बताया जा रहा है कि ट्रैप किया गया अकाउंटेंट सुनील कुमार वर्तमान में घड़साना, श्रीविजयनगर, रायसिंहनगर, अनूपगढ़ और लूणकरणसर नगरपालिका का चार्ज संभाल रहा था, जिससे मामला और भी गंभीर हो गया है। मौके पर सीआई राजेंद्र कुमार सहित एसीबी की पूरी टीम मौजूद रही। समाचार लिखे जाने तक आरोपियों से पूछताछ, दस्तावेजों की जांच तथा आगे की कानूनी कार्रवाई जारी थी। इस बड़ी एसीबी कार्रवाई के बाद नगरपालिका विभाग में हड़कंप मच गया है और आने वाले दिनों में और खुलासों की संभावना जताई जा रही है।

दावते इस्लामी इंडिया का ताजिरान इजतिमाअ जागरुकता कार्यक्रम सम्पन्न हुआ

चुरु (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर स्थित गौरी कॉलोनी में फैजाने-इश्क़े-रसूल-मस्जिद मरकज दावते इस्लामी इंडिया के डिपार्टमेंट ताजिरान कि तरफ से ताजिरान इजतिमाअ जागरुकता कार्यक्रम किया गया जिसमे मोलाना दिलशाद साहब ने बिजनेस मेन और युवाओ को संबोधित करते हुवे कहा कि युवाओ को जायज और हलाल तरीके से मेहनत करके पैसा कमाना चाहिए, उन्होने बताया कि मुस्लिम समाज जो शिक्षा के क्षेत्र मे पिछे रह गया है। उसे आगे बढाने के लिए दावते इस्लामी लगा तार प्रयास कर रही हैं, इसके साथ-साथ दावते इस्लामी इंडिया कि समाज सेवा कि जानकारिया भी दि गयी बताया गया कि दावते इस्लामी का जी एन आर एफ विभाग नशा मुक्ति, प्राकृतिक आपदाओं मे मदद के साथ, सर्दियों मे कंबल बाटना वृक्षारोपण करना, बल्ड डोनेशन केम्प लगाना है। इसके साथ आने वाले रमजान कि तैयारियां के मोके पुरे रोजे रखने वाले गरीब जरुरत मदो तक राशन किटे तकसीम करने का जेहन भी बनाया है। इस मोके पर मदनी मरकज के इमाम नसरुल्लाह अत्तारी, अल- हाशमी मस्जिद के इमाम हाफिज कुर्बान अली, शैख असलम अत्तारी समेत चुरु शहर के बिजनेसमेन प्रोफेशनल लोगो ने इजतिमाअ मे शिरकत कि और सलातो सलाम के बाद दुआएं की।

कीचड़ में डूबा बचपन:

स्कूल पहुँचने के लिए जान जोखिम में डालते बच्चे, पंडा का पुरा में शिक्षा पर संकट

हनीस शेख

हिंडौन सिटी/करौली (रॉयल पत्रिका)। बरसात जहाँ एक ओर ठंडक और राहत लेकर आती है, वहीं हिंडौन उपखंड क्षेत्र के क्यारदा खुर्द के पास स्थित जाटव समाज की ढाणी पंडा का पुरा में यही बरसात बच्चों के भविष्य पर भारी पड़ रही है। यहां संचालित राजकीय प्राथमिक विद्यालय तक पहुँचने वाला रास्ता इन दिनों कीचड़, गंदे पानी और जलभराव में तब्दील हो चुका है। हर सुबह नन्हे-नन्हे बच्चे स्कूल जाने के लिए किताबें नहीं, बल्कि पहले हिम्मत उठाते हैं। कई बच्चे नंगे पैर, घुटनों तक कीचड़ में फिसलते-संभलते विद्यालय पहुँचते हैं। रास्ते की हालत ऐसी है कि जरा सी चूक पर गिरने, चोट लगने या बीमार पड़ने का खतरा हर पल बना रहता है। अभिभावकों का कहना है कि इसी बदहाल रास्ते के कारण कई बच्चे रोज स्कूल नहीं जा पा रहे, जिससे उनकी पढ़ाई लगातार प्रभावित हो रही है। ग्रामीणों के मुताबिक यह समस्या कोई नई नहीं है, लेकिन सालों से प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की उदासीनता जस की तस बनी हुई है। तस्वीरों में साफ देखा जा सकता है कि विद्यालय के मुख्य प्रवेश मार्ग पर न तो पक्का रास्ता है और न ही पानी की निकासी की कोई व्यवस्था। बरसात होते ही पूरा मार्ग तालाब जैसा बन जाता है। सामाजिक कार्यकर्ता रिंकू कुमार जाटव ने बताया कि यह स्थिति शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 की भावना के सीधे खिलाफ है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि विद्यालय तक पहुँचने वाले रास्ते का तत्काल निरीक्षण कर सीसी सड़क और नाली निर्माण कराया जाए, ताकि ढाणी के बच्चों को सुरक्षित और सम्मानजनक माहौल में शिक्षा मिल सके। ग्रामीणों ने साफ चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ, तो वे उच्च अधिकारियों तक शिकायत और जनआंदोलन के लिए मजबूर होंगे।

जिला मुख्यालय के निकटवर्ती गाजसर में आयोजित हुआ गुरु गोलवलकर आंकाक्षी ब्लॉक योजनांतर्गत पोषण एवं शैक्षिक कैंप

- महिलाओं को प्रदान किए पोषण किट, हुई स्वास्थ्य जांच

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशन में जिला मुख्यालय के निकटवर्ती गाजसर में आंगनबाड़ी केन्द्र में गुरु गोलवलकर आंकाक्षी ब्लॉक योजना अंतर्गत पोषण एवं शैक्षिक कैंप आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सीईओ श्वेता कोचर, बसंत शर्मा, अभिषेक चोटिया, एसीएमएचओ डॉ. अहसान गौरी, आईसीडीएस डीडी नरेन्द्र सिंह, सीपी शर्मा, सूर्यप्रकाश ढाका सहित अतिथि मंचस्थ रहे। इस मौके पर सीईओ श्वेता कोचर ने कहा कि गुरु गोलवलकर आकांक्षी ब्लॉक योजना का मूल उद्देश्य स्वास्थ्य, पोषण एवं शिक्षा के सूचकांकों में ठोस सुधार लाना है। पोषण एवं शिक्षा बच्चों और माताओं के समग्र विकास की नींव हैं, जिन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा सहयोगिनियों के माध्यम से स्वास्थ्य व पोषण पर विशेष ध्यान देने की बात कही। बसंत शर्मा ने कहा कि प्रदेश की भजनलाल सरकार महिला, बच्चों, युवाओं व किसानों के हित के लिए प्रतिबद्धता से काम कर रही है। अभिषेक चोटिया ने कहा कि राज्य सरकार अपनी कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से जरूरतमंदों तक लाभ सुनिश्चित कर रही है। आईसीडीएस उपनिदेशक डॉ. नरेन्द्र शेखावत ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए बताया कि गुरू गोलवलकर आंकाक्षी ब्लॉक योजनांतर्गत प्रोजेक्ट स्माईल तथा प्रोजेक्ट गाजसर पोषण एवं शैक्षिक कैंप के माध्यम से बच्चों व गर्भवती महिलाओं के पोषण व स्वास्थ्य में सुधार करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में योजनान्तर्गत पूजा, किस्मत, प्रियंका, अनिता कुमारी, नीमा, सुलेखा, ममता, राधा, सरोज, सुशीला, सीमा आदि गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं एवं 03 से 06 वर्ष के बच्चों को पोषण किट वितरित किए। आईसीडीएस व चिकित्सा विभाग की ओर से महिलाओं व बच्चों के वजन, पोषण सहित स्वास्थ्य जांच की गई। इस दौरान सीडीपीओ सीमा गहलोत, चन्द्रकला, राजकुमार स्वामी, मनोज कुमार शर्मा, पूनम, निखिल महर्षि, सुमन, कपिल शर्मा, माया सरावग एवं अन्य कर्मचारी, महिलाएं उपस्थित रहीं। संचालन ज्योति वर्मा ने किया।

एनआरआई बाबू खान ने देश और विदेश में चूरु शहर का नाम रोशन किया

-एक ऐसी शख्सियत जो विदेश में रहकर भी अपनी मिट्टी से बेहद करते हैं प्यार भामाशाह के रूप में करते हैं समाज सेवा

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय के लिए गर्व है। मान है अभिमान है। चूरू जैसे छोटे से शहर से निकलकर दुबई जैसे विश्व-प्रसिद्ध देश में रियल एस्टेट के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाना आसान नहीं होता लेकिन यह कर दिखाया है सनसिटी ओएसियर कम्पनी के मालिक हकीम खान उर्फ बाबू खान (चूरू) ने। दुबई में रियल एस्टेट बिजनेस में उत्कृष्ट योगदान के लिए हकीम खान बाबू खान को प्रेज़ीडेंटल अवॉर्ड से सम्मानित किया गया यह सम्मान उन्हें भारत सरकार के पूर्व मंत्री, आईपीएल चेयरपर्सन एवं भारतीय क्रिकेट के पूर्व अध्यक्ष राजीव शुक्ला और दुबई सरकार में रियल एस्टेट RERA के अध्यक्ष अब्दुल्ला अहमद मोहम्मद सालेह अल शेही द्वारा प्रदान किया गया। दुबई सरकार द्वारा सम्मानित होना सिर्फ एक व्यक्ति की उपलब्धि नहीं, बल्कि पूरे चूरू राजस्थान के लिए गर्व और सम्मान की बात है अंतरराष्ट्रीय मंच पर चूरू का नाम रोशन किया है। यह साबित करता है कि हौसले बुलंद हों तो छोटे शहर से भी दुनिया जीती जा सकती हैं। चूरू शहर की एक ऐसी शख्सियत जो परीचय की मोहताज नहीं बाबू खान (हाकिम खान) एलमान पुत्र हाजी इनायत खां एलमान। एनआरआई के रूप में विदेश में बिजनस करने के बाद भी अपनी जन्मस्थली की मिट्टी से कभी लगाव कम नहीं हुआ। बाबू खान वर्ष 1989 में जीविका पार्जन के लिए सउदी अरब गए। वहां तीन साल ड्राइवर की नौकरी की। उसके बाद खुद की मेहनत, जूनून और खुदा की रहमत से अपना बिजनस शुरू किया। नेक नियत से शुरू किया गया कारोबार देखते ही देखते फलता-फूलता गया। बाबू खान बेशक विदेश में बिजनस करते रहे, लेकिन उनके दिल में अपनी कर्मभूमि चूरू हमेशा जिंदा रही। विदेश में बिजनस करने के बावजूद चूरू में सामाजिक सरोकार एवं समाजसेवा में अग्रणी रहते हैं। बात चाहे जरूरतमंद परिवार की मदद करने की हो, किसी पीडित की सहायता करने की हो, किसी नेक काम में आर्थिक सहयोग करने की हो या फिर जरूरतमंद परिवार की बेटियों की शादी या पढ़ाई की, यहां तक की शहर में सांस्कृतिक आयोजनों में भी आप भरपूर सहयोग करते हैं। बाबू खान ने हमेशा अपना दिल खोलकर मदद की और बिना किसी जाति-धर्म, भेद-भाव को देखते हुए हर वर्ग के जरूरतमंद परिवार की मदद की। सर्व धर्म सद्भाव को मानने वाले बाबू खान सालासर पदयात्रियों की सुविधा के लिए पिछले कई सालों से भंडारा लगाने वाली संस्थान को जयपुर रोड स्थित अपना सन सिटी रिसोर्ट बिजली व पानी की व्यवस्था सहित निशुल्क उपलब्ध करवाते है। अनेक समाजसेवी संस्थाओं के माध्यम से शहर के विकास के लिए एक बड़े भामाशाह के रूप में इनका योगदान हमेशा सराहनीय रहा है। एनआरआई बाबू खान सनसिटी रिसोर्ट चूरू, सिटी सेंटर मॉल चूरू, सनसिटी होटल चूरू, वर्तमान में बाबू खान अपने विदेश के कारोबार के साथ-साथ चूरू का व्यापार एवं समाज सेवा के कार्य में पूर्ण भूमिका निभा रहे है।

घमुड़वाली थाना क्षेत्र में सघन गश्त, ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर कसी नकेल

विनोद सोखल

घमुड़वाली/श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। थानाधिकारी घमुड़वाली के नेतृत्व में थाना क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने तथा सड़क सुरक्षा को लेकर व्यापक गश्त अभियान चलाया गया। इस दौरान घमुड़वाली, बिंझबायला, लालेवाला, रिडमलसर, पीएस हेड, हरखेवाला, जीवनदेसर, फरसेवाला सहित 12 से अधिक गांवों व इलाकों में पुलिस टीम ने लगातार गश्त की। गश्त के दौरान संदिग्ध वाहनों की सघन जांच की गई तथा शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई गई। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह अभियान निरंतर जारी रहेगा और नियम तोड़ने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। इसके साथ ही पुलिस द्वारा आमजन को हेलमेट और सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग को लेकर समझाइश दी गई। थानाधिकारी ने बताया कि असमयिक सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को कम करना इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है, जिसके लिए नागरिकों से ट्रैफिक नियमों का पालन करने की अपील की गई। पुलिस की इस सक्रियता से क्षेत्र में सुरक्षा का माहौल मजबूत हुआ है और आमजन ने भी अभियान की सराहना की है। पुलिस प्रशासन ने नागरिकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि सुरक्षित यातायात ही सुरक्षित जीवन की कुंजी है।

मतदाता जागरूकता के लिए निकाली साइकिल रैली

बारां (रॉयल पत्रिका)। जिला निर्वाचन अधिकारी कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर एवं सीईओ व नोडल अधिकारी स्वीप राजवीर सिंह चौधरी के निर्देशन में फिट इंडिया साइकिलिंग ड्राइव की थीम पर प्रथम बार मतदान करने वाले मतदाताओं की भागीदारी को सुगम बनाने के उद्देश्य से शहर के ईदगाह कॉलोनी से मतदाता जागरूकता साइकिल रैली का आयोजन किया गया। स्वीप प्रभारी अमित भार्गव ने लोकतंत्र में वोट का महत्व बताते हुए रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इससे पहले विद्यार्थियों को निर्वाचन के ऑनलाइन एप्लीकेशंस की जानकारी दी। साथ ही वोटर हेल्पलाइन एप के माध्यम से मतदाता सूची में अपना नाम देखने की जानकारी से अवगत कराया। रैली में साइकिल लोकतंत्र का कहना है, वोट सभी को देना है जैसे जागरूकता के नारे लगाते हुए शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए गुजरी। इस दौरान ईएलसी प्रभारी अजय कुमार मीणा, निदेशक कांटम क्लासेस मुकेश शर्मा, स्वीप सदस्य कपिल नागर, नरेश कुमार, शिक्षक एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

जल जीवन मिशन की पाइपलाइन जगह-जगह से टूटी

-बावड़ी तलाई हनुति रोड़ पर जगह-जगह से लीकेज

रेनवाल मांजी (रॉयल पत्रिका)। सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना क्षेत्र के ग्रामीणों के लिए भारी परेशानी का कारण बन रही है। कौशल्या दास की बावड़ी में बावड़ी तलाई से हनुति हनुमान मंदिर रोड तक बिछाई गई बिसलपुर पेयजल पाइपलाइन कई स्थानों पर टूट गई है, जिससे आधा दर्जन गांव और ढाणियां पेयजल संकट का सामना कर रही हैं। पाइपलाइन जगह-जगह से टूटी हुई है, जिसके कारण घरों तक पानी पहुंचने के बजाय सड़कों और खेतों में बहकर बर्बाद हो रहा है। जहां यह पानी घर-घर पहुंचना था, वहीं अब लोग बूंद-बूंद के लिए तरस रहे हैं। ग्रामीण जितेंद्र शर्मा ने बताया कि इस पाइपलाइन के जरिए कौशल्या दास की बावड़ी के आसपास करीब आधा दर्जन गांवों और ढाणियों को पानी सप्लाई होनी थी, लेकिन अब अधिकांश घरों में पानी की एक बूंद तक नहीं पहुंच रही है। महिलाओं और बुजुर्गों को

दूरदराज के कुओं और हैंडपंपों से पानी लाना पड़ रहा है। कई स्थानों पर निजी टैंकरों से पानी मंगवाना पड़ रहा है, जिससे गरीब परिवारों पर आर्थिक बोझ बढ़ गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि विभागीय ठेकेदार ने पाइपलाइन बिछाने में भारी लापरवाही बरती है। घटिया सामग्री का उपयोग और तकनीकी मानकों की अनदेखी के कारण लाइन बार-बार फूट रही है। हर बार केवल अस्थायी मरम्मत कर मामले को टाल दिया जाता है, स्थायी समाधान के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है। ग्रामीणों ने कई बार जलदाय विभाग और संबंधित अधिकारियों को लिखित और मौखिक शिकायतें दी हैं। हालांकि, अब तक उनकी शिकायतों पर कोई सुनवाई नहीं हुई है, जिससे लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही पाइपलाइन की स्थायी मरम्मत कर या पाइपलाइन बदलकर नियमित जलापूर्ति शुरू नहीं की गई, तो वे धरना-प्रदर्शन और आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

आईएफडब्ल्यूजे जिला कार्यकारिणी की अहम बैठक सम्पन्न

-सर्वसम्मति से राजेश शर्मा बने पुन: जिलाध्यक्ष

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय स्थित सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय में बुधवार को इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट (IFWJ) जिला कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। संगठन के जिला सचिव राजेश गोयल ने बताया कि बैठक में संगठन के विस्तार, मजबूती और पत्रकारों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों की सर्वसम्मति से वरिष्ठ पत्रकार राजेश शर्मा को पुनः संगठन का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया। मनोनयन के बाद संगठन के बैठक में मौजूद सभी सदस्यों ने नवनियुक्त

जिलाध्यक्ष राजेश शर्मा को बधाई देते हुए संगठन को नई दिशा देने की उम्मीद जताई। बैठक के दौरान पत्रकारों के हितों की रक्षा, उनकी समस्याओं के समाधान और संगठन को मजबूत करने को लेकर कई अहम प्रस्तावों पर विचार-विमर्श किया गया। संगठन ने भविष्य में एकजुट होकर पत्रकार हितों के लिए संघर्ष करने का संकल्प लिया। नव मनोनीत जिला अध्यक्ष राजेश शर्मा ने सभी को धनयवाद ज्ञापित करते हुऐ कहा की मैं संघठन में निष्ठा से सभी को साथ लेकर काम करूंगा और हम सब मिलकर पत्रकार हितो को सर्वोपरि रखकर संगठन को नई ऊंचाईयों पर ले जायेंगे। बैठक में पत्रकारों की समस्याओं, एवं प्रशासन व मीडिया के बीच आपसी समन्वय के अभाव को देखते हुए शीघ्र ही जिला कलेक्टर से मिलने तथा कोर कमेटी के गठन का भी निर्णय लिया गया।

नोबल्स स्कूल एंड क्लासेज में धूमधाम से मनाया गणतंत्र दिवस

-नन्हे बच्चों ने सुनाए देशभक्ति के तराने

बारां (रॉयल पत्रिका)। शहर के तालाब पाड़ा स्थित नोबल्स स्कूल एंड क्लासेज में 26 जनवरी सोमवार को गणतंत्र दिवस बड़ी धूमधाम के साथ मनाया गया। स्कूल के संचालक अब्दुल मतीन ने बताया कि सुबह 8:30 पर झंडारोहण किया गया। इसके बाद स्कूल के बच्चों ने देशभक्ति के कार्यक्रम पेश किए। इस दौरान स्कूल का माहौल खुशनुमा बना रहा। बेहतरीन प्रस्तुति देने वाले छात्र छात्राओं को ईनाम से नवाजा गया। इस दौरान अध्यापक मोहम्मद इस्लाम, वसीम अकरम,

मौलाना सलमान, रशीद मोहम्मद, सद्दाम हुसैन, शाहिद हुसैन सहित अन्य स्टॉफ मौजूद रहा।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 78वीं पुण्यतिथि एवं शहीद दिवस पर आयोजित ब्लड कैम्प के पोस्टर का हुआ विमोचन

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 78वीं पुण्यतिथि एवं शहीद दिवस पर आगामी 30 जनवरी को बुझावड़ स्थित मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी परिसर में आयोजित होने वाले रक्तदान शिविर के पोस्टर का विमोचन बुधवार को कमला नेहरू नगर स्थित शरिआ सोसायटी में किया गया। शिविर संयोजक एवं मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी के चेयरमैन मोहम्मद अतीक ने बताया कि हमारे आदर्श एवं देश के मुख्य स्वतंत्रता सेनानी की शहादत दिवस पर युवाओं को रक्तदान के प्रति जागरूक

करने एवं उनके बताये सत्यमार्ग पर चलने के उद्देश्य से ये ब्लड कैम्प आयोजित किया जा रहा है। पोस्टर विमोचन के इस कार्यक्रम में रिटायर्ड आरएएस निसार खान, मारवाड़ मुस्लिम एज्यूकेशनल एण्ड वेलफेयर सोसायटी के सदस्य मोहम्मद आरिफ चुंदड़ीगर, यूनाईटेड उम्माह वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष अब्दुल रहीम सांखला, महासचिव अब्दुल रशीद अंसारी, सदस्य मोहम्मद असलम मंसूरी, एडवाकेट शहादत अली, फॉरएवर हेल्प संस्था मिशन कॉमी एकता सद्भावना के अध्यक्ष लियाकत वारसी, द रॉयल ग्रुप के वसीम अकरम, तहजीब खान, समाजसेवी नूर मोहम्मद, अशफाक अहमद फौजदार, मोहम्मद अतीक मोदी, मोहम्मद आसिफ गौरी, कय्यूम अहमद, इवेंट मैनेजर आमिर खान कुवैतवाला, साजिद खान एवं अकबर बादशाह जोधाणा मौजूद रहे।

महाकालेश्वर शिव मंदिर गहनौली में भव्य कलश यात्रा और पद सुड्डा दंगल का आयोजन हुआ

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। गहनौली में महाकालेश्वर शिव मंदिर में आयोजित कलश यात्रा और पद सुड्डा दंगल ने लोगों को एकता और भाईचारे का संदेश दिया। विराट हिंदू सम्मेलन महायज्ञ मोनी बाबा श्री शोभानंद भारती के उप लक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम में सैकड़ों कार्यकर्ता और ग्रामीण जुटे। कलश यात्रा के दौरान भक्तों ने भगवान महाकालेश्वर की जयकारे लगाए और पद सुड्डा दंगल में जोश और उत्साह दिखाया। दो दिन तक चलने वाले इस कार्यक्रम में कार्यकर्ता रूपसिंह सरपंच, मनीराम सैनी, महेंद्र सैनी, घनश्याम सैनी, दीन दयाल, दीपक सैनी, राम नरेश शर्मा, कृपा शंकर शर्मा, हितेश जैन, सुभाष चंद, गुमान सिंह, अमृत लाल, दौलत राम, मुकेश सैनी और अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम के आयोजकों ने बताया कि यह आयोजन लोगों में एकता और भाईचारे को बढ़ावा देने के लिए किया गया है। उन्होंने कहा कि महाकालेश्वर शिव मंदिर गहनौली में आयोजित इस कार्यक्रम से लोगों को भगवान महाकालेश्वर की भक्ति और शक्ति का संदेश मिला है। इस अवसर पर मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था और भक्तों

के लिए विशेष व्यवस्था की गई थी। जिसमें सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने कहा कि यह आयोजन वास्तव में एकता और भाईचारे की मिसाल है। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजनों से लोगों में आपसी प्रेम और सहयोग की भावना बढ़ती है। इस अवसर पर कई गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे, जिन्होंने कार्यक्रम की सराहना की और आयोजकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजनों से समाज में सकारात्मक वातावरण बनता है और लोगों में एकता और भाईचारे की भावना बढ़ती है। कार्यक्रम का आयोजन महाकालेश्वर शिव मंदिर गहनौली के तत्वाधान में किया गया था। आयोजकों ने बताया कि इस तरह के आयोजनों से लोगों में भगवान महाकालेश्वर की भक्ति और शक्ति का संदेश मिलता है। इस अवसर पर कई सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए, जिसमें स्थानीय कलाकारों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। जिसमें पद पार्टी के मेडिया श्यामलाल सैनी गढ़मोरा, रामकिशन सैनी तालचिडी, रामावतार सैनी रघुनाथकापुरा ने अपनी मधुर वाणी से जोरदार प्रस्तुति दी कार्यक्रम का समापन भव्य आतिशबाजी के साथ हुआ, जिसने वातावरण को और भी आकर्षक बना दिया। कार्यक्रम के दौरान कई लोग अपने परिवार के साथ उपस्थित थे और उन्होंने इस आयोजन का आनंद लिया। आयोजकों ने बताया कि इस तरह के आयोजनों से लोगों में आपसी प्रेम और सहयोग की भावना बढ़ती है। इस अवसर पर कई लोग अपने बच्चों के साथ उपस्थित थे, जिन्होंने इस आयोजन का आनंद लिया। आयोजकों ने बताया कि इस तरह के आयोजनों से बच्चों में भी भगवान महाकालेश्वर की भक्ति और शक्ति का संदेश मिलता है। कार्यक्रम का आयोजन करने वाले आयोजकों को बधाई देते हुए, लोगों ने कहा कि इस तरह के आयोजनों से समाज में सकारात्मक वातावरण बनता है और लोगों में एकता और भाईचारे की भावना बढ़ती है।

कांग्रेस नेता उमेश नागर पर हुए जान लेवा हमले के आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर कांग्रेसजनों ने जिला पुलिस अधीक्षक को सौंपा ज्ञापन

बारां (रॉयल पत्रिका)। कांग्रेस जिला संगठन महामंत्री कैलाश जैन ने बताया जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा गुरुवार को कांग्रेस नेता एवं बारां शहर मण्डल अध्यक्ष उमेश नागर पर बदमाशों द्वारा किए गए जान लेवा हमले तथा बारां जिले में बढ़ रहे अपराधों पर अंकुश लगाने की मांग को लेकर जिला पुलिस अधीक्षक बारां को ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस जिलाध्यक्ष रामचरण मीणा ने बताया कि गत दिनों बारां शहर के तलावडा रोड पर कांग्रेस पार्टी के जिम्मेदार पदाधिकारी उमेश नागर मण्डल अध्यक्ष बारां के साथ 5-7 बदमाशों द्वारा लाठी, डंडों व धारदार हथियारों से जान लेवा हमला किया गया जिसके कारण उन्हें गंभीर चोटे आई है तथा अभी भी स्थिति चिन्ताजनक बनी हुई है। पुलिस प्रशासन द्वारा अभी तक भी अपराधियों की गिरफ्तारी नहीं की गई है जो पुलिस प्रशासन की असफलता को दर्शाता है। मीणा ने कहा कि पुलिस का

अपराधियों में कोई खौफ नही है तथा बारां जिले में अपराधों का ग्राफ लगातार बढता चला जा रहा है। पूर्व विधायक पानाचन्द मेघवाल ने कहा कि बारां जिले में दिनों-दिन अपराधियों के हौसलें बुलन्द होते जा रहे है तथा आए दिन गोलीकाण्ड, मारपीट, हत्या, चोरी की वारदातें घटित होना आम बात हो गई है। बारां जिले में अवैध खनन हो रहा है, अवैध शराब बिक रही है, जुंआ-सट्टा खुलेआम चल रहा है तथा गांजा, स्मैक खुलेआम बिक रहे है जिसके कारण आमजन, व्यापारी वर्ग अपने आपको असुरक्षित महसूस करते हुए डहरा, सहमा हुआ है। पुलिस अपनी विफलता को छुपाने के लिए छोटे-मोटे व्यक्तियों के खिलाफ कार्यवाही कर इतिश्री कर रही है जबकि पुलिस को चाहिए कि बडे अपराधियों पर प्रभावी कार्यवाही करें ताकि पुलिस का इकबाल बुलन्द हो एवं आमजन में सुरक्षा की भावना जागृत हो। कांग्रेस के प्रतिनिधि मण्डल ने जिला पुलिस अधीक्षक बारां को ज्ञापन सौंप कर कांग्रेस नेता उमेश नागर के ऊपर जानलेवा हमला करने वाले अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की गई तथा इसी के साथ-साथ बारां जिले बढ़ रहे अपराधों, चोरियों सहित बारां जिले में अवैध खनन, अवैध शराब, जुंआ-सट्टा, गांजा, स्मैक की बिक्री पर अतिशीघ्र अंकुश लगाने की मांग की गई। ज्ञापन सौंपने के दौरान पीसीसी सचिव धर्मराज मेहरा, एससी प्रकोष्ठ के हाडौती संभाग अध्यक्ष सत्यनारायण भूमल्या, प्रदीप काबरा जिला परिषद सदस्य, भारत भूषण सक्सेना एडवोकेट, सेवादल जिलाध्यक्ष शिवशंकर यादव, नगर अध्यक्ष बारां प्रशान्त भारद्वाज, पटेल महावीर मीणा, विनोद शर्मा पूर्व पंसस, लालसिंह मीणा, सूरजमल बैरवा पीटीआई, गिरिराज शर्मा, शरद शर्मा, राहुल शर्मा आदि उपस्थित रहे।

बाल विवाह के विरुद्ध जागरूकता के लिए कार्यशाला आयोजित

पाली (रॉयल पत्रिका)। जिला प्रशासन एवं महिला अधिकारिता विभाग के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को सिद्ध पीठ नागा बाबा बगीची धार्मिक स्थल पर बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत 100 दिवसीय कार्यक्रम के तहत कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिला अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित पन्नाधाय सुरक्षा एवं सम्मान केंद्र की प्रबंधक प्रियंका व्यास एवं परामर्शदाता भाग्यश्री गहलोत ने बाल विवाह निषेध अधिनियम-2006 की विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि 18 वर्ष से कम आयु की लड़की एवं 21 वर्ष से कम आयु के लड़के को नाबालिग माना जाता है तथा अधिनियम के अंतर्गत बाल विवाह करवाने, उसे बढ़ावा देने अथवा किसी भी प्रकार की सहायता करने पर दो वर्ष तक का कारावास एवं एक लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि यदि किसी को बाल विवाह की जानकारी प्राप्त होती है तो तुरंत बाल विवाह निषेध अधिकारी, पुलिस हेल्पलाइन 112, संबंधित मजिस्ट्रेट अथवा चाइल्ड

हेल्पलाइन 1098 पर सूचना देकर समय रहते हस्तक्षेप कर बाल विवाह को रोका जा सकता है। कार्यशाला के दौरान विभागीय योजनाओं लाडो प्रोत्साहन योजना, महिला संबल शिक्षा सेतु योजना, मुख्यमंत्री नारी शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना सहित अन्य विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 एवं महिला हेल्पलाइन नंबर 181 के संबंध में जानकारी देते हुए बताया गया कि किन परिस्थितियों में इन सेवाओं से सहायता प्राप्त की जा सकती है। विभाग द्वारा संचालित वेब एवं सहायता केंद्रों की जानकारी भी उपस्थितजनों को दी गई। कार्यक्रम के अंत में बाल विवाह मुक्त भारत जागरूकता अभियान के तहत उपस्थितजनों को शपथ दिलाई गई तथा बाल विवाह के दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से बताया गया।

"वंदे मातरम् – 150 वर्ष: विकसित भारत, अन्नदाता का मान, श्रम शक्ति का सम्मान" विषय पर मल्टीमीडिया प्रदर्शनी का शुभारंभ

-प्रदर्शनी का उद्घाटन जिला कलेक्टर एल.एन.मंत्री ने किया

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के केन्द्रीय संचार ब्यूरो, सिरोही द्वारा राजकीय बांगड़ पी.जी. महाविद्यालय, पाली परिसर स्थित सेमिनार हॉल में 29 से 30 जनवरी तक आयोजित दो दिवसीय "वंदे मातरम् – 150 वर्ष : विकसित भारत, अन्नदाता का मान, श्रम शक्ति का सम्मान" विषयक मल्टीमीडिया प्रदर्शनी का उद्घाटन जिला कलेक्टर एल.एन. मंत्री ने किया। उद्घाटन अवसर पर वृताधिकारी मदन सिंह चौहान, महाविद्यालय के प्राचार्य महावीर सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष सुनील भंडारी, एएनएम प्रशिक्षण केन्द्र के प्राचार्य डॉ. के.सी. सैनी, आयुर्वेद विभाग के उपनिदेशक डॉ. बजरंग लाल शर्मा सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। अतिथियों ने फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। इस अवसर पर अतिथियों ने प्रदर्शनी में प्रदर्शित वंदे मातरम् के 150 वर्ष तथा केन्द्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित पैनलों का अवलोकन किया और उनकी सराहना की। समारोह को संबोधित करते हुए जिला कलेक्टर एल.एन. मंत्री ने आमजन से अपील की कि वे इस मल्टीमीडिया प्रदर्शनी का अधिक से अधिक अवलोकन कर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त करें तथा उनका लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि यह हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है कि सरकार की योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुँचे। यह प्रदर्शनी वंदे मातरम् के 150 वर्ष के महत्व एवं केन्द्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुँचाने का प्रभावी माध्यम है। सही जानकारी ही पात्र व्यक्ति को योजनाओं का वास्तविक लाभ दिला सकती है। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष सुनील भंडारी ने केन्द्र सरकार द्वारा वर्ष 2014 से किए गए प्रयासों एवं उपलब्धियों की जानकारी देते हुए कहा कि युवाओं को स्टार्टअप से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। उन्होंने जनधन खाता योजना, किसान सम्मान निधि तथा प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान की। मुख्य वक्ता डॉ. के.सी. सैनी ने उपस्थित जनसमूह को नशा मुक्ति के विषय में जानकारी देते हुए कहा कि तम्बाकू एवं अन्य नशीले पदार्थ स्वास्थ्य के लिए अत्यंत घातक हैं। उन्होंने सभी से नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया। सहायक डाक अधीक्षक मांगीलाल ने सुकन्या समृद्धि योजना, पी.एल.आई., इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक, आवर्ती जमा (आर.डी.) आदि योजनाओं के बारे में जानकारी दी। वहीं डाक विभाग के जनसम्पर्क निरीक्षक वैभव त्रिवेदी ने आधार अपडेट से संबंधित जानकारी प्रदान की। जिला अग्रणी बैंक के मुख्य प्रबंधक देवेन्द्र कुमार जोशी ने प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, जनधन खाता योजना एवं कुसुम योजना के बारे में जानकारी दी। उन्होंने वित्तीय साक्षरता के अंतर्गत साइबर अपराध से बचाव हेतु आवश्यक सावधानियों पर भी प्रकाश डाला। आयुर्वेद चिकित्साधिकारी डॉ. रविन्द्र कुमार ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर, आंचल प्रसूता केन्द्र, जरावस्था केन्द्र योजना तथा नियमित दिनचर्या के महत्व के बारे में जानकारी दी। केन्द्रीय संचार ब्यूरो, सिरोही के प्रभारी अधिकारी फूलचंद गहलोत ने अतिथियों का स्वागत करते हुए प्रदर्शनी के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने वंदे मातरम् के 150 वर्ष, सुकन्या समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना एवं जीएसटी सुधार 2.0 के संबंध में जानकारी दी। केन्द्रीय संचार ब्यूरो, प्रादेशिक कार्यालय जयपुर के अभिषेक यादव ने अमृत भारत स्टेशन योजना, राष्ट्र प्रथम – राष्ट्रीय सुरक्षा तथा प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना पर जानकारी साझा की। केन्द्रीय संचार ब्यूरो, डूंगरपुर के प्रभारी अधिकारी नरेश कुमार बैरवा ने कार्यक्रम का संचालन किया एवं धन्यवाद ज्ञापित किया।

प्रतियोगिताएँ एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ रहीं आकर्षण का केन्द्र:-

प्रदर्शनी के दौरान जनकल्याणकारी योजनाओं पर आधारित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में विजेताओं को अतिथियों द्वारा पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। लीला देवी पार्टी, पाली द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से योजनाओं का संदेश दिया गया। प्रदर्शनी स्थल पर डाक विभाग, बैंक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग तथा आयुर्वेद विभाग द्वारा सूचना स्टॉल लगाए गए। प्रदर्शनी के प्रथम दिवस विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के विद्यार्थियों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं तथा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के महिला-पुरुषों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस अवसर पर चिकित्सा एवं आयुर्वेद विभाग के डॉ. दुर्जन सिंह, डॉ. भैरो सिंह, हेमंत कुमार, राकेश रमेशा, प्रियंका सहित अन्य उपस्थित रहे।

वरुण धवन पर मुंबई मेट्रो जुर्माने की खबरें गलत टीम ने जारी किया आधिकारिक बयान

टीम वरुण धवन की ओर से हाल ही में सामने आई खबरों को लेकर एक आधिकारिक स्पष्टीकरण जारी किया गया है। बयान में स्पष्ट किया गया है कि मुंबई मेट्रो से जुड़े मामले में वरुण धवन पर किसी भी प्रकार का कोई जुर्माना या पेनल्टी नहीं लगाई गई है। सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रही खबरों के बीच टीम ने बताया कि संबंधित प्राधिकरण द्वारा किया गया पूर्व पोस्ट अब हटा लिया गया है और यह पूरा मामला एक गलतफहमी का परिणाम था। टीम ने आगे कहा, वरुण हमेशा शहर के नियमों का पालन करते हैं और सार्वजनिक सेवाओं के प्रति सम्मान रखते हैं। बयान में यह भी दोहराया गया कि फिलहाल इस विषय से जुड़ा कोई भी मुद्दा लंबित नहीं है। टीम ने मीडिया से अपील की है कि वे केवल सत्यापित और आधिकारिक जानकारी को ही साझा करें, और सही अपडेट प्रसारित करने के लिए उनका धन्यवाद भी किया है।

शब्द नहीं, भावनाएँ बोलेंगी

अदिति राव हैदरी

अदिति राव हैदरी अपनी अगली फिल्म गांधी टॉक्स के साथ अब तक का सबसे अलग कदम उठा रही हैं। यह एक साइलेंट फिल्म है, जिसमें कोई डायलॉग नहीं है और कहानी पूरी तरह भावनाओं और अभिनय के ज़रिए आगे बढ़ती है। अदिति उन अभिनेत्रियों में से नहीं हैं जो चलन के पीछे भागती हैं। उन्होंने हमेशा ऐसी फिल्में चुनी हैं जहाँ अभिनय और कहानी को ज़्यादा अहमियत दी गई हो। गांधी टॉक्स भी उसी सोच का हिस्सा है। इस फिल्म में अदिति को बिना संवाद के अपने चेहरे, आँखों और भावों के ज़रिए किरदार निभाते देखा जाएगा। साइलेंट फिल्म में कलाकार के पास छुपने की कोई जगह नहीं होती, और अदिति इस चुनौती को पूरे आत्मविश्वास के साथ अपनाती नज़र आती हैं। फिल्म में उनके साथ विजय सेतुपति हैं। ट्रेलर में दोनों की केमिस्ट्री साफ़ नज़र आती है। ए. आर. रहमान का संगीत फिल्म की भावनाओं को और गहराई देता है, जबकि निर्देशन किशोर पांडुरंग बेलेकर ने किया है। गांधी टॉक्स भले ही एक अलग तरह की फिल्म हो, लेकिन अदिति राव हैदरी के करियर को देखते हुए यह फैसला बिल्कुल स्वाभाविक लगता है।यह फिल्म 30 जनवरी 2026 को दुनियाभर में रिलीज़ होगी।

आलिया भट्ट

ने की 'बॉर्डर 2' की तारीफ, वरुण धवन के लिए कहा- दिल और जान डाल दी

वॉर ड्रामा फिल्म 'बॉर्डर-2' रिलीज के बाद से ही दर्शकों और सेलिब्रिटीज के बीच खूब चर्चा में है। फिल्म को मिल रही तारीफों की लिस्ट में नाम मशहूर अभिनेत्री आलिया भट्ट का भी जुड़ गया है। आलिया ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए फिल्म के सभी कलाकारों की तारीफ की। उन्होंने स्टोरीज सेक्शन पर फिल्म 'बॉर्डर-2' की एक क्लिप शेयर की। इस सीन में वरुण, दिलजीत, अहान शेट्टी, और सनी देओल समेत फिल्म के कई कलाकार नजर आ रहे हैं। इसमें फिल्म के कुछ पावरफुल क्लिप्स भी शामिल हैं। आलिया ने लिखा, 'फिल्म 'बॉर्डर-2' शानदार फिल्मों में से एक है।' अभिनेत्री ने फिल्म के डायरेक्टर अनुराग सिंह और पूरी स्टारकास्ट की परफॉर्मेंस को कमाल का बताया। इसी के साथ ही उन्होंने फिल्म के मुख्य कलाकारों की तारीफ करते हुए लिखा, 'सोनम बाजवा, सनी देओल, दिलजीत दोसांझ, अहान शेट्टी, मोना सिंह, मेधा राणा और आन्या समेत सभी ने शानदार काम किया है। खासतौर पर मेरे करीबी दोस्त वरुण धवन ने तो हर सीन में अपना दिल और जान डाल दी है, जो कि वह सबसे बेहतर करते हैं। आपके लिए बहुत खुशी हो रही है, वरुण धवन। आपके लिए साल की शुरुआत वाकई जबरदस्त रही। पूरी टीम को मेरी तरफ से बधाई। 'फिल्म बॉर्डर 2 को रिलीज के बाद से ही दर्शकों को जबरदस्त प्यार मिल रहा है। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 177 करोड़ आकड़ा पार कर लिया है। फिल्म में कहानी को मजबूत तरीके से दिखाया गया है, जिसकी वजह से यह दर्शकों के दिलों को छू रही है। इसमें सनी देओल के साथ वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी जैसे कलाकारों की दमदार मौजूदगी है।

सीक्वेन शॉर्ट ड्रेस पहन फिर यामिनी मल्होत्रा ने गिराई बिजलियां

यामिनी मल्होत्रा इन दिनों काफी वायरल हो रही हैं। अक्सर वह पैप्स के सामने स्पॉट होती नजर आती हैं। हाल ही में साड़ी में उनका लुक काफी वायरल हुआ था। अब इस बीच उनके नए पोस्ट ने तहलका मचा दिया है। पर्पल कलर की सीक्वेन शॉर्ट ड्रेस में यामिनी का नया लुक काफी हॉट है। एक बार फिर सोशल पर एक्ट्रेस को लेकर हल्ला मच गया है और हर कोई जानना चाहता है कि आखिर यह एक्ट्रेस कौन है? पर्पल कलर की शॉर्ट ड्रेस के साथ कर्ल हेयर और लाइट मेकअप में उनका लुक काफी हॉट लग रहा है। यामिनी मल्होत्रा को इस लुक में देख फैंस उनकी तारीऊ करते नहीं थक रहे हैं, जहां एक यूजर ने लिखा गजब तो दूसरे ने लिखा आप कितनी खूबसूरत हैं

एटली ने दीपिका पादुकोण को बताया 'लकी चार्म', AAWWXA6 में दिखेगा बिल्कुल अलग अवतार

एटली की अपकमिंग फिल्म, जिसे फिलहाल AAwwXA6 नाम दिया गया है, अपने ऑफिशियल ऐलान के बाद से ही जबरदस्त चर्चा में बनी हुई है। लेकिन जैसे ही एक दमदार अनाउंसमेंट एसेट के जरिए दीपिका पादुकोण के इस प्रोजेक्ट से जुड़ने की खबर सामने आई, फिल्म को लेकर बातचीत और भी तेज हो गई। इस खुलासे के साथ ही सोशल मीडिया पर हलचल मच गई और AAwwXA6हाल के समय की सबसे ज्यादा चर्चित फिल्मों में शामिल हो गई। एटली की अब तक की सबसे बड़ी फिल्म बताई जा रही इस प्रोजेक्ट में अल्लू अर्जुन भी नजर आएंगे, जिससे फिल्म का स्केल और दर्शकों की एक्साइटमेंट और बढ़ गई है। जवान जैसी बड़ी ब्लॉकबस्टर देने वाले डायरेक्टर एटली एक बार फिर दीपिका पादुकोण के साथ काम कर रहे हैं, जो दोनों की दूसरी फिल्म होगी। एक एक्सक्लूसिव बातचीत में एटली ने इस प्रोजेक्ट पर खुलकर बात की और दीपिका की जमकर तारीफ करते हुए उन्हें अपनी 'लकी चार्म' बताया। 'हां, वह मेरी लकी चार्म हैं,' ' इस प्रोजेक्ट को लेकर उत्सुकता और बढ़ गई है क्योंकि एटली ने इशारा किया है कि इस फिल्म में दर्शक दीपिका पादुकोण का एक बिल्कुल नया रूप देखेंगे। डायरेक्टर ने बताया कि AAwwXA6 मां बनने के बाद दीपिका की पहली फिल्म होगी, जिससे यह कोलैबोरेशन और भी खास बन जाता है। एटली ने आगे कहा, 'मां बनने के बाद वह इस फिल्म से शुरुआत कर रही हैं और मुझे पूरा यकीन है कि इस बार दर्शक दीपिका को बिल्कुल अलग अंदाज़ में देखेंगे,' जिससे उनके किरदार और फिल्म की कहानी को लेकर उत्सुकता और बढ़ गई है। हालांकि AAwwXA6 से जुड़ी ज्यादा जानकारी अभी सामने नहीं आई है, लेकिन एटली की ब्लॉकबस्टर सोच और दीपिका पादुकोण की स्टार पावर ने पहले ही उम्मीदें काफी ऊंची कर दी हैं। जवान के बाद दोनों की यह फिर से जोड़ी फैंस को एक और दमदार सिनेमैटिक अनुभव का बेसब्री से इंतज़ार करा रही है। एक्साइटमेंट को और बढ़ाते हुए, दीपिका पादुकोण के पास इस साल एक और बड़ा प्रोजेक्ट भी लाइनअप में है। वह फिल्म 'किंग' में नजर आएंगी, जो 24 दिसंबर को रिलीज़ होने वाली है, जहां उनकी एक बार फिर शाहरुख खान के साथ जोड़ी बनेगी, जिससे आगे का लाइनअप और भी पावर-पैक हो गया है।

अरिजीत सिंह ने क्यों बनाई प्लेबैक सिंगिंग से दूरी

खुद ही बताई इसके पीछे की असली वजह

अरिजीत सिंह ने प्लेबैक सिंगिंग छोड़ने का ऐलान किया। थकान, नया म्यूजिक और इंडियन क्लासिकल की ओर वापसी–जानिए फैसले की पूरी कहानी। बॉलीवुड म्यूजिक इंडस्ट्री से एक ऐसी खबर सामने आई है, जिसने करोड़ों संगीत प्रेमियों को भावुक कर दिया है। अपनी आवाज़ से इश्क, दर्द और उम्मीद को परिभाषित करने वाले अरिजीत सिंह ने प्लेबैक सिंगिंग से दूरी बनाने का ऐलान किया है। यह फैसला अचानक नहीं, बल्कि लंबे आत्ममंथन का नतीजा बताया जा रहा है. हालांकि अरिजीत ने साफ किया है कि जो प्रोजेक्ट पहले से कमिटेड हैं, उन्हें वह पूरा करेंगे, लेकिन अब नए फिल्मी गानों के लिए उनकी आवाज़ नहीं सुनाई देगी। अरिजीत सिंह ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर कर अपने फैसले की जानकारी दी। पोस्ट सामने आते ही फैंस के बीच मायूसी और सवालों की बाढ़ आ गई। खास बात यह रही कि हाल ही में रिलीज हुए उनके गाने 'गेहरा हुआ', 'घर कब आओगे' और 'मातृभूमि' अभी भी लोगों की प्लेलिस्ट में छाए हुए थे. ऐसे समय में प्लेबैक सिंगिंग छोड़ने की खबर ने इस फैसले को और ज्यादा चौंकाने वाला बना दिया। अरिजीत ने अपने प्राइवेट एक्स (पूर्व ट्विटर) अकाउंट पर इस फैसले के पीछे की सोच को खुलकर साझा किया। उन्होंने लिखा कि यह फैसला किसी एक वजह से नहीं, बल्कि कई कारणों के मेल से लिया गया है। उन्होंने ईमानदारी से स्वीकार किया कि वह जल्दी बोर हो जाते हैं और खुद को जिंदा महसूस करने के लिए नए म्यूजिक एक्सप्लोर करना चाहते हैं. लगातार फिल्मी ढांचे में गाने गाना उन्हें थका चुका था और वह खुद को दोहराते हुए महसूस करने लगे थे।

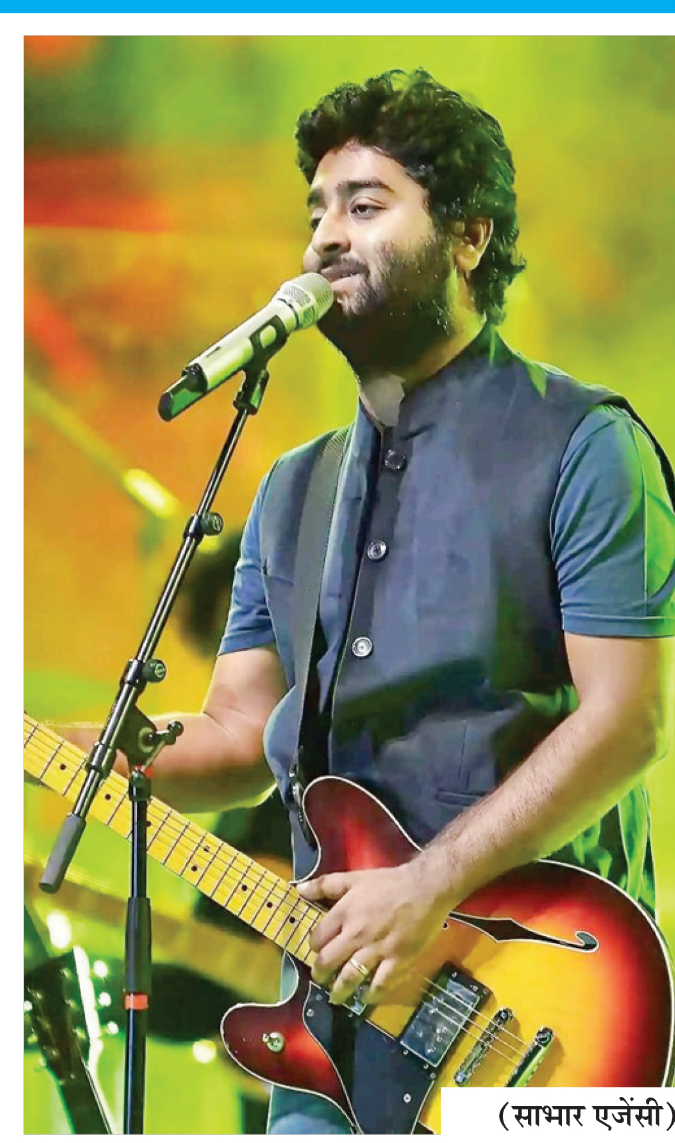

(साभार एजेंसी)

जेनिफर विंगेट से शादी की खबरों पर करण वाही ने तोड़ी चुप्पी बताया क्या है सच

टीवी एक्टर करण वाही और जेनिफर विंगेट लंबे समय से सुर्खियों में बने हुए हैं। दोनों बहुत पुराने दोस्त हैं और साथ में काम भी कर चुके हैं. करण और जेनिफर के शादी करने की अफवाह हर जगह फैली हुई है. दोनों की साथ में सोशल मीडिया पर जमकर फोटोज वायरल हो रही हैं। शादी की खबरों पर अब करण वाही ने चुप्पी तोड़ दी है। करण ने उनकी शादी की सच्चाई बता दी है। जो फैंस इस जोड़ी को साथ देखने का इंतजार कर रहे थे, वो निराश हो सकते हैं। करण ने साफ कर दिया है कि शादी की खबरें फेक हैं। जेनिफर और करण की इंडस्ट्री में शुरुआती दिनों से ही स्ट्रॉन्ग दोस्ती है. उन्होंने अपने शुरुआती शो में से 'दिल मिल गए' में साथ काम किया था, जहां जेनिफर ने डॉ. रिद्धिमा गुप्ता का किरदार निभाया था, जबकि करण वाही डॉ. सिद्धांत मोदी के किरदार में नजर आए थे. लगभग 14 साल बाद, ये जोड़ी 2024 में वेब सीरीज रायसिंहानिया वर्सेस रायसिंहानिया में एक-दूसरे के सामने नजर आए थे। उनकी केमिस्ट्री को दर्शकों से बहुत तारीफ मिली और जहां उनकी दोस्ती मजबूत बनी रही, वहीं उनके डेटिंग की अफवाहें भी उड़ने लगीं।

फिल्म बॉर्डर 2 ने देश में टिकट खिड़की पर 200 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई की

सनी देओल अभिनीत फिल्म बॉर्डर 2 ने पांचवें दिन देश के सिनेमा घरों की टिकट खिड़की पर 23.31 करोड़ रुपए की कमाई की। इसी के साथ इस फिल्म ने देश में अब तक कुल 200 करोड़ रुपए की कमाई का आंकड़ा पार कर लिया है। फिल्म के निर्माताओं ने बुधवार को यह जानकारी दी। देओल की 1997 की ब्लॉकबस्टर फिल्म बॉर्डर की दूसरी कड़ी 23 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म के निर्माताओं में टी-सीरीज और जेपी फिल्म्स शामिल हैं। निर्माताओं ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, फिल्म बॉर्डर 2 ने रिलीज के मात्र पांच दिनों के भीतर ही टिकट खिड़की पर 200 करोड़ रुपए कमाई का प्रभावशाली आंकड़ा पार कर लिया है। फिल्म ने अपने पहले कार्यदिवस पर शानदार प्रदर्शन किया और पांचवें दिन 23.31 करोड़ रुपए की शुद्ध कमाई की जिससे फिल्म की कुल कमाई 216.79 करोड़ रुपए हो गई है। उन्होंने बताया कि फिल्म ने पहले दिन 32.10 करोड़, दूसरे दिन 40.59 करोड़, तीसरे दिन 57.20 करोड़ और चौथे दिन 63.59 करोड़ रुपए की कमाई की थी।फिल्म में सनी देओल के साथ वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी भी मुख्य भूमिकाओं में हैं।यह फिल्म 1971 के भारत-पाक युद्ध की पृष्ठभूमि पर आधारित है।प्राप्त जानकारी के मुताबिक, कथित तौर पर पाकिस्तान विरोधी विमर्श के कारण फिल्म को बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में रिलीज करने की अनुमति नहीं मिली है।

टी20 वर्ल्ड कप : बॉयकॉट की अटकलों के बीच इस टीम ने पाकिस्तान को किया ट्रोल, आपका रिप्लेसमेंट तैयार

नईदिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले मैदान के बाहर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। बांग्लादेश के टूर्नामेंट से हटने, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की तीखी प्रतिक्रियाओं और आईसीसी के सख्त रुख के बीच अब इस विवाद में मज़ाकिया अंदाज़ भी जुड़ गया है। आइसलैंड क्रिकेट ने सोशल मीडिया पर एक चुटीले पोस्ट के जरिए पाकिस्तान को ट्रोल करते हुए कहा कि अगर पाकिस्तान पीछे हटता है तो वह उसकी जगह लेने के लिए तैयार है। इस पोस्ट ने क्रिकेट जगत में हलचल मचा दी है।

आइसलैंड क्रिकेट का वायरल पोस्ट – आइसलैंड क्रिकेट ने सोशल मीडिया पर एक मज़ेदार पोस्ट साझा कर टी20 वर्ल्ड कप विवाद को हल्के-फुल्के अंदाज़ में छेड़ दिया। पोस्ट में लिखा गया कि अगर पाकिस्तान 2 फरवरी को टूर्नामेंट से हटने का फैसला करता है तो आइसलैंड तुरंत उड़ान भरने के लिए तैयार है। हालांकि, उन्होंने यह भी मजाक में जोड़ा कि 7 फरवरी तक कोलंबो पहुंचने के लिए फ्लाइट शेड्यूल 'लॉजिस्टिकल बुरा सपना' बन सकता है और उनका ओपनिंग बल्लेबाज अनिद्रा से जूझ रहा है। यह व्यंग्यात्मक पोस्ट देखते ही देखते वायरल हो गई।

बांग्लादेश के हटने से शुरू हुआ विवाद – इस पूरे विवाद की जड़ बांग्लादेश के टी20 वर्ल्ड कप से हटने के फैसले में है। बांग्लादेश ने भारत में होने वाले मैचों को लेकर सुरक्षा चिंताओं का हवाला दिया था। हालांकि, आईसीसी द्वारा कराए गए स्वतंत्र सुरक्षा आकलन में किसी भी तरह के ठोस खतरे की पुष्टि नहीं हुई। इसके बावजूद बांग्लादेश के पीछे हटने पर आईसीसी ने उसकी जगह स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट में शामिल कर लिया।

पीसीबी चेयरमैन की आपत्ति और बयानबाजी

बांग्लादेश के हटने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन मोहसिन नकवी ने आईसीसी पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश एक पूर्ण सदस्य देश है और उसे भी वही छूट मिलनी चाहिए थी जो पाकिस्तान को भारत में होने वाले आईसीसी इवेंट्स के लिए मिलती है। नकवी का तर्क था कि किसी भी देश को दूसरे देश पर अपनी शर्तें नहीं थोपनी चाहिएं। उनके इस बयान को भारत पर अप्रत्यक्ष तंज के तौर पर देखा गया।

थाईलैंड मास्टर्स

अशिमता चालिहा ने थाईलैंड मास्टर्स में बिखेरा जलवा

महिला एकल वर्ग के मुख्य ड्रॉ में पहुंचीं

नई दिल्ली, एजेंसी। अशिमता चालिहा ने दो कड़े मुकाबले जीतकर थाईलैंड मास्टर्स सुपर 300 के महिला एकल मुख्य ड्रॉ में प्रवेश किया। अब मुख्य ड्रॉ में उनका सामना साथी भारतीय खिलाड़ी देविका सिहाग से होगा। भारत की अशिमता चालिहा ने दो कड़े मुकाबलों में जीत दर्ज कर थाईलैंड मास्टर्स सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल वर्ग के मुख्य ड्रॉ में प्रवेश कर लिया। गुवाहाटी की 26 वर्षीय खिलाड़ी, जो सेलंगोर में आयोजित 2024 एशिया टीम चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थीं, ने क्वालिफिकेशन के अपने पहले मुकाबले में चीनी ताइपे की हंग यी-टिंग को 42 मिनट चले मुकाबले में 21-15, 12-21, 21-12 से हराया।

इसके बाद अशिमता ने कोरिया की किम जू यून की कड़ी चुनौती को पार करते हुए 45 मिनट में 21-11, 10-21, 21-16 से जीत हासिल की। मुख्य ड्रॉ में अशिमता का सामना अब साथी भारतीय खिलाड़ी देविका सिहाग से होगा। अन्य मुकाबलों में, श्रेया लेले को क्वालीफिकेशन दौर में इंडोनेशिया की नी कादेक धिंदा अमर्त्या प्रतिवी से 12-21, 21-12, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा।

मिक्स्ड डबल्स क्वालिफिकेशन में एम जगलान और एल जगलान की जोड़ी को चीनी ताइपे के बो-युआन चेन और सुंग यी-शुआन ने एकतरफा मुकाबले में 21-12, 21-8 से पराजित किया।

पुरुष युगल में पी कृष्णमूर्ति रॉय और एस प्रथीक के की जोड़ी मलयेशिया की चौथी वरीयता प्राप्त जोड़ी एन अजरीन और टैन डब्ल्यू के से 20-22, 20-22 से हार गई। वहीं महिला युगल में अश्विनी भट्ट के और शिखा गौतम की जोड़ी को इंडोनेशिया की पांचवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी एफ कुसुमा और एम पुस्पितासारी से 33 मिनट चले मुकाबले में 14-21, 12-21 से हार झेलनी पड़ी।

अंडर-19 वर्ल्ड कप

लगातार चौथी जीत के बाद बोले भारतीय कप्तान आयुष म्हात्रे

इस खिलाड़ी की तारीफ की

बुलावायो (जिम्बाब्वे), एजेंसी। भारत ने आईसीसी अंडर-19 पुरुष क्रिकेट वर्ल्ड कप में जिम्बाब्वे को हराकर लगातार चौथी जीत हासिल की है। मेजबान जिम्बाब्वे के खिलाफ 204 रन की जीत इस बात का सबूत है कि इस टीम में कितनी प्रतिभा है। ड्डष्टष्ट वेबसाइट के अनुसार वे सेमीफाइनल क्वालिफिकेशन के कगार पर हैं, उन्होंने ञ्ज्र, बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ भी जीत हासिल की है। लेकिन यह जीत इस टीम को वर्ल्ड कप के अहम पड़ाव के लिए बेहतर तरीके से तैयार करने में मदद करती है; यह उनकी पहली जीत थी जो ष्ठरुस्-मेथड से प्रभावित नहीं हुई और यह पहली बार था जब उन्होंने पूरे 50 ओवर खेले जिसमें उन्होंने शानदार 352/8 रन बनाए, जो जिम्बाब्वे के लिए पीछा करने के लिए बहुत ज्यादा रन थे। विहान मल्होत्रा प्लेयर ऑफ द मैच के लिए एक बेहतरीन पसंद थे, जिन्होंने 109* रन बनाए। भारत का 352 का स्कोर अब तक वर्ल्ड कप में बनाया गया चौथा सबसे बड़ा टोटल है। तीन विकेट लेने वाले कप्तान आयुष म्हात्रे ने मल्होत्रा के बल्ले से निभाई गई भूमिका का श्रेय देने में कोई देरी नहीं की। म्हात्रे ने मैच के बाद कहा, 'विहान सच में बहुत अच्छा कर रहा है।

इगा स्वियातेक ऑस्ट्रेलियन ओपन से बाहर

- **एलिना रायबकिना और जेसिका पेगुला सेमीफाइनल में पहुंचीं**
- **जोकोविच को दो सेट हारने के बाद वॉकओवर मिला**

पोलैंड (एजेंसी)। साल के पहले ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन में बुधवार को बड़े उलटफेर देखने को मिले। महिला सिंगल्स के क्वार्टर फाइनल में कजाकिस्तान की एलिना रायबकिना ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी इगा स्वियातेक को सीधे सेटों में 7-5, 6-1 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। इस हार के साथ ही पोलैंड की स्वियातेक का करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने का सपना अधूरा रह गया। स्वियातेक अब तक चार बार फ्रेंच ओपन, एक बार विंबलडन और एक बार यूएस ओपन का खिताब जीत चुकी हैं और वह चारों ग्रैंड स्लैम जीतने वाली 11वीं महिला खिलाड़ी बनने की कोशिश में थीं। वहीं, अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला ने हमवतन अमांडा अनिसिमोवा को हराकर महिला सिंगल्स के सेमीफाइनल में जगह बनाई। मेंस में, 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच दो सेट गंवाने के बाद तीसरे सेट में मुकाबला खेल ही रहे थे कि विरोधी खिलाड़ी लोरेंजो मुसेटी के चोटिल होकर मैच से हटने के कारण सेमीफाइनल में पहुंच गए।

मुसेटी ने पहले दो सेट में जोकोविच को बैकफुट पर धकेला – मैच की शुरुआत से ही 22 साल के लोरेंजो मुसेटी ने शानदार खेल दिखाया। उन्होंने जोकोविच की सर्विस ब्रेक की और पहला सेट 6-4 से अपने नाम किया। दूसरे सेट में भी मुसेटी का दबदबा कायम रहा और उन्होंने जोकोविच की गलतियों का फायदा उठाते हुए इसे 6-3 से जीत लिया। जोकोविच संघर्ष करते नजर आ रहे थे और ऐसा लग रहा था कि 10 बार के ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन का सफर इस बार क्वार्टर फाइनल में ही खत्म हो जाएगा।

- **अगला मुकाबला : सिनर या शेल्टन से होगी भिड़ंत** – सेमीफाइनल में जोकोविच का सामना बुधवार देर रात होने वाले दूसरे क्वार्टर फाइनल के विजेता से होगा। यह मुकाबला डिफेंडिंग चैंपियन यानिक सिनर और अमेरिका के बेन शेल्टन के बीच होना है। टेनिस फैंस को उम्मीद है कि सेमीफाइनल में जोकोविच और सिनर के बीच हाई-वोल्टेज मुकाबला देखने को मिल सकता है।

तीसरे सेट में जोकोविच ने वापसी की कोशिश की और तीसरे गेम में मुसेटी की सर्विस ब्रेक कर 2-1 की बढ़त बना ली। इसी दौरान मुसेटी को अपने दाहिने पैर के ऊपरी हिस्से में तेज दर्द महसूस हुआ। उन्होंने कोर्ट पर ही मेडिकल टाइम आउट लिया और फिजियो से इलाज कराया। इसके बाद उन्होंने एक गेम और खेलने की कोशिश की, लेकिन दर्द इतना ज्यादा था कि वो दौड़ने की स्थिति में नहीं थे। स्कोर जब जोकोविच के पक्ष में 3-1 था, तब मुसेटी ने रिटायर होने का फैसला किया। इटली के 5वें वरीय मुसेटी ने शुरुआती दो सेट जीतकर जोकोविच को बाहर होने की कगार पर धकेल दिया था, लेकिन तीसरे सेट के दौरान दाहिने पैर की मांसपेशी में खिंचाव (इंजरी) के कारण उन्हें मैच बीच में ही छोड़ना पड़ा। इटली के 5वें वरीय मुसेटी ने शुरुआती दो सेट जीतकर जोकोविच को बाहर होने की कगार पर धकेल दिया था, लेकिन तीसरे सेट के दौरान दाहिने पैर की मांसपेशी में खिंचाव (इंजरी) के कारण उन्हें मैच बीच में ही छोड़ना पड़ा।

रायबकिना ने पहला सेट एक घंटे में जीता – रायबकिना और इगा स्वियातेक के बीच पहला सेट करीब एक घंटे तक चला, जिसमें दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। सेट के आखिरी गेम में रायबकिना ने स्वियातेक की सर्विस ब्रेक कर 7-5 से सेट अपने नाम किया। दूसरे सेट में रायबकिना पूरी तरह हावी रहीं। रूस में जन्मी और कजाकिस्तान का प्रतिनिधित्व कर रही रायबकिना ने शुरुआती दो सर्विस ब्रेक के साथ 3-0 की बढ़त बनाई और स्वियातेक को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। उन्होंने 6-1 से दूसरा सेट जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। एलिना रायबकिना ने महिला सिंगल्स क्वार्टर फाइनल में दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी इगा स्वियातेक को सीधे सेटों में 7-5, 6-1 से हराया।

रूट-ब्रुक की सेंचुरी से इंग्लैंड ने सीरीज 2-1 से जीती

जो रूट ने रचा इतिहास, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में ब्रायन लारा से आगे निकले, पवन रथनायके का पहला वनडे शतक

कोलंबो (एजेंसी)। जो रूट और हैरी ब्रूक के शतकों की बदौलत इंग्लैंड ने श्रीलंका को तीसरे वनडे में 53 रन से हराकर सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। मुकाबला कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में खेला गया। पहला वनडे श्रीलंका ने 19 रन से जीता था, जबकि दूसरे वनडे में इंग्लैंड ने 5 विकेट से जीत दर्ज की थी।

निर्णायक मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने 50 ओवर में 3 विकेट पर 357 रन बनाए। कप्तान हैरी ब्रूक ने नाबाद 136 रन की शानदार पारी खेली, जबकि जो रूट 111 रन बनाकर नाबाद लौटे। दोनों बल्लेबाजों ने चौथे विकेट के लिए 191 रन की मैच जिताऊ साझेदारी की। 358 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की टीम 46.4 ओवर में 304 रन पर ऑलआउट हो गई। टीम की ओर से पवन रथनायके ने पहला वनडे शतक लगाते हुए सबसे ज्यादा 121 रन बनाए, लेकिन वह टीम को जीत दिलाने में नाकाम रहे। ओपनर पथुम निसांका ने 50 रन की पारी खेली।

इंग्लैंड के 11 ओवर में 2 विकेट गिरे – टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। ओपनर बेन डकेट सिर्फ 7 रन बनाकर पवेलियन लौट गए, जबकि रेहान अहमद 24 रन ही जोड़ सके। शुरुआती ओवरों में श्रीलंकाई गेंदबाजों ने सटीक लाइन-लेंथ के साथ दबाव बनाया, जिससे 11 ओवर के भीतर इंग्लैंड ने 2 विकेट गंवा दिए। इस समय टीम का स्कोर 40/2 था और मैच पर श्रीलंका की पकड़ मजबूत दिख रही थी।

रूट-बेथेल ने पारी को संभाला – नंबर-3 पर बल्लेबाजी करने उतरे जो रूट ने इंग्लैंड की लड़खड़ाती पारी को संभाला। उनके साथ जैकब बेथेल ने तीसरे विकेट के लिए 126 रन की अहम साझेदारी की। बेथेल ने 72 गेंदों में 65 रन की पारी खेली, जबकि रूट ने बिना किसी जोखिम के स्ट्राइक रोटेट करते हुए स्कोरबोर्ड को आगे बढ़ाया। 31वें ओवर में बेथेल के आउट होने तक इंग्लैंड मजबूत स्थिति में पहुंच चुका था।

कप्तान ब्रूक का शतक – जैकब बेथेल के आउट होते ही कप्तान हैरी ब्रूक ने तेजी से खेलना शुरू किया। ब्रूक ने स्पिन और तेज, दोनों तरह के गेंदबाजों पर आक्रामक शॉट खेले और मैदान के हर हिस्से में रन बटोरे। उन्होंने महज 66 गेंदों में नाबाद 136 रन की पारी खेली। इस दौरान उनकी पारी में 11 चौके और 9 छक्के शामिल रहे।

रूट का 20वां वनडे शतक – दूसरे छोर पर जो रूट ने 108 गेंदों में नाबाद 111 रन बनाकर अपने वनडे करियर का 20वां शतक पूरा किया।

हार्दिक पंड्या के इंटरनेशनल क्रिकेट में 10 साल पूरे

इमोशनल पोस्ट किया, लिखा- यह तो केवल शुरुआत है

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने मंगलवार को इंटरनेशनल क्रिकेट में 10 साल पूरे कर लिए हैं। उन्होंने जनवरी 2016 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 इंटरनेशनल में डेब्यू किया था। पंड्या ने इस उपलब्धि को एक इमोशनल पोस्ट के जरिए शेयर करते हुए कहा कि यह दौर उनके लिए केवल शुरुआत है और वे अभी भी अपने करियर के अगले स्टेज की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने लिखा कि 10 साल की यह यात्रा उनके लिए सीख, संघर्ष और उपलब्धियों से भरी रही है, और वे देश के लिए खेलते हुए आगे भी और योगदान देना चाहते हैं।

आप सभी को मेरा प्यार – पंड्या ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा है, आप सभी को मेरा प्यार, हर चीज के लिए धन्यवाद। धन्यवाद भगवान, उन सभी मुश्किलों और चुनौतियों के लिए जिनकी वजह से मैं यहां तक ??पहुंच पाया हूं। उन सभी लोगों के भरोसे के लिए। इस जिंदगी को जीने का मौका देने के लिए। इन सालों ने मुझे सिखाया है कि यह तो बस शुरुआत है। मैंने उन रास्तों पर अभी चलना शुरू ही किया है, जिस पर सचमुच में मैं चलना चाहता हूं।हार्दिक ने टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के फाइनल में सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए थे।

टी-20 वर्ल्ड कप चैंपियन टीम का हिस्सा रहे – उनके करियर में कई उपलब्धियां शामिल हैं। पंड्या ने भारत की टीम को 2024 के टी-20 वर्ल्ड कप और 2025 के चैंपियंस ट्रॉफी जीतने में योगदान दिया, जहां उन्होंने कई अहम पारियां और गेंदबाजी प्रदर्शन दिए।

दाहिने हाथ के इस ऑलराउंडर ने पिछले एक दशक में एक प्रभावशाली सफर तय किया है। बड़ौदा से शुरुआत करते हुए राष्ट्रीय टीम का अहम हिस्सा बनने तक। उन्होंने कई मौकों पर टीम इंडिया को जीत दिलाई है और बड़े टूर्नामेंटों में अपनी क्षमताओं का लोहा मनवाया है।

टी-2 वर्ल्डकप 2026

वॉर्म-अप मैचों का पूरा शेड्यूल जारी, इस टीम के खिलाफ भारत का मुकाबला

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले टीम इंडिया केवल एक आधिकारिक वॉर्म-अप मैच खेलेगी। यह मुकाबला 4 फरवरी को डीवाई पाटिल स्टेडियम, नवी मुंबई में साउथ अफ्रीका के खिलाफ होगा। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में उतरने वाली भारतीय टीम के लिए यह मैच टूर्नामेंट से पहले आखिरी प्रतिस्पर्धी परीक्षा होगी।

2024 फाइनल की दोहराई जाएगी कहानी – भारत और साउथ अफ्रीका का यह मुकाबला खास इसलिए भी है क्योंकि यह 2024 टी20 वर्ल्ड कप फाइनल का रीमैच होगा। ऐसे में इस वॉर्म-अप मैच का महत्व सिर्फ अभ्यास तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह मानसिक बढ़त और आत्मविश्वास हासिल करने का भी मौका होगा। टी20 वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत 7 फरवरी से होगी और इसका संयुक्त

आयोजन भारत और श्रीलंका में किया जाएगा।

सीमित वॉर्म-अप, लेकिन फोकस साफ – भारत का सिर्फ एक वॉर्म-अप खेलना बाकी टीमों से अलग रणनीति को दर्शाता है। व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर और खिलाड़ियों के भारी वर्कलोड को देखते हुए टीम मैनेजमेंट ने ज्यादा मैचों की बजाय खिलाड़ियों की फिटनेस और फ्रेशनेस को प्राथमिकता दी है।

ग्रुप स्टेज में पाकिस्तान से टक्कर – भारत के ग्रुप में पाकिस्तान भी शामिल है, जो खुद भी सिर्फ एक वॉर्म-अप मैच खेलेगा। पाकिस्तान 4 फरवरी को कोलंबो में आयरलैंड से भिड़ेगा। यह समान तैयारी ग्रुप मुकाबलों में रोमांच को और बढ़ा देती है। टूर्नामेंट का पहला मैच 7 फरवरी को पाकिस्तान बनाम नीदरलैंड्स के बीच खेला जाएगा।

इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया बिना वॉर्म-अप – दिलचस्प बात यह है कि इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया कोई आधिकारिक वॉर्म-अप मैच नहीं खेलेंगे। हालांकि दोनों टीमें टूर्नामेंट से पहले द्विपक्षीय सीरीज खेल रही हैं–इंग्लैंड श्रीलंका के खिलाफ और ऑस्ट्रेलिया पाकिस्तान के खिलाफ। यह दर्शाता है कि कुछ टीमें मैच प्रैक्टिस के लिए वॉर्म-अप की बजाय द्विपक्षीय सीरीज को तरजीह दे रही हैं।

भारतीय टीम क्यों घर पर लगातार हार रही टेस्ट सीरीज

- **राहुल द्रविड़ ने खोले सारे राज, बताया कहां हो रही गड़बड़**

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम अक्टूबर 2024 से नवंबर 2025 के बीच दो टेस्ट सीरीज घर पर हार चुकी है. उसे न्यूजीलैंड ने 3-0 से मात दी तो साउथ अफ्रीका ने 2-0 से पीटा. इससे पहले 2012 से 2024 के बीच 12 साल तक भारत घर पर अजेय था.

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और हेड कोच राहुल द्रविड़ ने पिछले दो साल से घर पर टेस्ट सीरीज गंवाने के पीछे क्या कारण हैं. उनका कहना है कि खिलाड़ियों का तीनों फॉर्मेट खेलना, लाल गेंद के क्रिकेट की तैयारी के लिए पर्याप्त समय न मिलना और नतीजे निकालने वाली पिचें इसके पीछे की वजह हो सकती हैं. भारत ने 2012 से 2024 के बीच घर पर कोई भी टेस्ट सीरीज नहीं गंवाई थी. लेकिन गौतम गंभीर के हेड कोच रहते अक्टूबर 2024 से नवंबर 2025 के दौरान 12 महीनों में दो सीरीज में घर पर हार मिली. पहले न्यूजीलैंड ने 3-0 से धूल चटाई. फिर साउथ अफ्रीका ने 2-0 से पीट दिया. भारत की घर पर टेस्ट में लगातार नाकामी पर द्रविड़ ने कुछ अहम बातें बताई. उन्होंने 27 जनवरी को बेंगलुरु में एक इवेंट में कहा, 'एक कोच के रूप में

जो बात मुझे समझ आई कि जो खिलाड़ी तीनों फॉर्मेट खेलते हैं वे एक फॉर्मेट से दूसरे में लगातार सक्रिय रहते हैं. ऐसा देखा गया है कि हमारे पास टेस्ट मैच से पहले तीन से चार दिन का समय रहता है और तब हम टेस्ट की प्रैक्टिस शुरू करते हैं. फिर पलटकर देखने पर लगता है कि इन खिलाड़ियों ने इससे पहले आखिरी बार चार या पांच महीने पहले लाल गेंद का सामना किया था. यह एक चुनौती है. टेस्ट मैच में स्पिन लेती पिच या सीम वाली पिच पर घंटों तक खेलना आसान नहीं होता है. इसके लिए काबिलियत चाहिए होती है.

हम टेनिस खिलाड़ी हैं या चिड़ियाघर के जानवर

- **हर जगह कैमरे होने पर दिग्गज प्लेयर स्वियातेक ने उठाए सवाल**

मेलबर्न (एजेंसी)। इगा स्वियातेक ने बुधवार को यहां उसी विषय को आगे बढ़ाया जिसे कोको गॉफ ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट में मंगलवार को उठाया था। अमेरिका की 21 वर्षीय खिलाड़ी गॉफ का क्वार्टर फाइनल में हारने के बाद कोर्ट के बाहर निराशा में रैकेट तोड़ने का वीडियो वायरल हो गया था जिस पर उन्होंने नाराजगी जताई थी। गॉफ ने कहा था कि उन असीमित पहुंच वाले कैमरों के बारे में विचार करने की जरूरत है जो खिलाड़ियों को लॉकर रूम से लेकर कोर्ट तक और बीच में लगभग हर जगह ट्रैक करते हैं। स्वियातेक से बुधवार को पांचवीं वरीयता प्राप्त एलेना रयबाकिना से क्वार्टरफाइनल में 7-5, 6-1 से हारने के बाद पूछा गया कि खिलाड़ियों के लिए ऐसे क्षेत्रों की कमी के बारे में वह कैसा महसूस करती हैं जहां कैमरों की नजर ना हो। स्वियातेक ने कहा, 'सवाल यह है कि हम टेनिस खिलाड़ी हैं या हम चिड़ियाघर के जानवरों की तरह हैं, जहां उनकी शौच करते समय भी निगरानी की जाती है, आप जानते हैं ना?

भरतपुर में स्लीपर बस-ट्रेलर टक्कर, मां-बेटे समेत 4 की मौत, 5 यात्री घायल

भरतपुर । राजस्थान के भरतपुर जिले में बुधवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जिसमें स्लीपर बस और खड़े ट्रेलर की भीषण टक्कर में मां-बेटे समेत चार लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा आगरा–जयपुर नेशनल हाईवे पर सेवर थाना क्षेत्र के सेवर पुल के पास रात करीब 2:30 बजे हुआ। मिली जानकारी के अनुसार, उत्तर प्रदेश के कासगंज से जयपुर जा रही एक निजी स्लीपर बस तेज रफ्तार में थी। रात के समय बस जैसे ही सेवर पुल के पास पहुंची, सड़क किनारे खड़े एक भारी ट्रेलर में जा घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए और कई यात्री सीटों में बुरी तरह फंस गए। हादसे के तुरंत बाद बस के अंदर चीख-पुकार मच गई। कई यात्री खून से लथपथ हालत में मदद के लिए चिल्लाते रहे। आसपास के लोगों और हाईवे से गुजर रहे वाहन चालकों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही सेवर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से बस में फंसे यात्रियों को कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया। क्रेन की सहायता से बस के क्षतिग्रस्त हिस्से को हटाया गया, तब जाकर शवों और घायलों को बाहर निकाला जा सका। इस हादसे में एक महिला और उसके बेटे समेत चार यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान की प्रक्रिया जारी है। हादसे में घायल पांच यात्रियों को तुरंत भरतपुर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। डॉक्टरों के अनुसार कुछ घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है, जिन्हें बेहतर इलाज के लिए जयपुर रेफर किया जा सकता है। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण तेज रफ्तार और संभवतः ड्राइवर को झपकी आना माना जा रहा है। वहीं, हाईवे पर ट्रेलर का खड़ा होना भी हादसे की एक बड़ी वजह बताया जा रहा है। पुलिस ने ट्रेलर चालक की भूमिका की भी जांच शुरू कर दी है कि वह ट्रेलर को सड़क किनारे किस हालात में और क्यों खड़ा करके गया था। हादसे के बाद कुछ समय के लिए आगरा–जयपुर नेशनल हाईवे पर यातायात बाधित रहा। पुलिस ने क्रेन से क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर यातायात बहाल कराया। इस दर्दनाक घटना ने एक बार फिर से हाईवे पर खड़े भारी वाहनों और तेज रफ्तार बसों की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

गणतंत्र दिवस परेड 2026:

-नेवी का मार्चिंग दल सर्वश्रेष्ठ, महाराष्ट्र और संस्कृति मंत्रालय की झांकियां अव्वल

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस परेड 2026 के विजेताओं के नामों का ऐलान बुधवार को कर दिया गया। इस भव्य राष्ट्रीय आयोजन में भारतीय नौसेना (इंडियन नेवी) के मार्चिंग दल को तीनों सेनाओं—थलसेना, वायुसेना और नौसेना—में सर्वश्रेष्ठ मार्चिंग दल घोषित किया गया। वहीं राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की झांकियों की श्रेणी में महाराष्ट्र ने पहला स्थान हासिल किया, जबकि मंत्रालयों और विभागों की श्रेणी में संस्कृति मंत्रालय की झांकी को सर्वश्रेष्ठ चुना गया। गणतंत्र दिवस परेड हर साल भारत की सैन्य शक्ति, सांस्कृतिक विविधता और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक होती है। 2026 की परेड में भी देश की विरासत, आत्मनिर्भरता और आधुनिक भारत की झलक साफ दिखाई दी, जिसे निर्णायकों और दर्शकों दोनों ने सराहा।

नेवी का मार्चिंग दल: अनुशासन और एकजुटता की मिसाल-

इंडियन नेवी के मार्चिंग दल में कुल 144 युवा नौसैनिक शामिल थे। ये सभी ऐतिहासिक कर्तव्य पथ पर कंधे से कंधा मिलाकर एक समान ताल और अनुशासन के साथ मार्च करते नजर आए। नौसेना अधिकारियों के अनुसार, इस दल की सटीक ड्रिल, तालमेल और आत्मविश्वास ने निर्णायकों को खासा प्रभावित किया। नतीजतन, नौसेना के इस मार्चिंग दल को तीनों सेवाओं में सर्वश्रेष्ठ मार्चिंग दल का शीर्ष पुरस्कार दिया गया। यह सम्मान न केवल नौसेना के लिए गर्व का विषय है, बल्कि यह देश की समुद्री ताकत और पेशेवर दक्षता को भी दर्शाता है। इसके अलावा, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (CAPF) और अन्य सहायक बलों की श्रेणी में दिल्ली पुलिस के मार्चिंग दल को सर्वश्रेष्ठ घोषित किया गया।

महाराष्ट्र की झांकी: आत्मनिर्भरता का प्रतीक गणेश उत्सव-

राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की झांकियों में महाराष्ट्र ने बाज़ी मारी। महाराष्ट्र की झांकी में गणेश उत्सव को आत्मनिर्भर भारत के प्रतीक के रूप में पेश किया गया। झांकी में यह दिखाया गया कि किस तरह गणेश उत्सव सिर्फ धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक एकजुटता, स्थानीय कारीगरी और स्वदेशी अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने का माध्यम भी है। झांकी में पारंपरिक पोशाक पहनी महिलाओं ने दोनों ओर लोक नृत्य प्रस्तुत किया, जिससे महाराष्ट्र की सांस्कृतिक पहचान और लोक परंपराएं जीवंत हो उठीं। रंग-बिरंगे परिधान, ढोल-ताशों की झलक और उत्सव का माहौल दर्शकों को खासा पसंद आया। इसी प्रभावशाली प्रस्तुति के चलते महाराष्ट्र को सर्वश्रेष्ठ राज्य झांकी का पुरस्कार मिला।

संस्कृति मंत्रालय की झांकी: 'वंदे मातरम' के 150 साल-

मंत्रालयों और विभागों की श्रेणी में संस्कृति मंत्रालय की झांकी को सर्वश्रेष्ठ चुना गया। इस झांकी का विषय था—'वंदे मातरम: एक राष्ट्र की आत्मा की पुकार'। इसका मकसद राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' की 150 वर्षों की गौरवशाली विरासत को सम्मान देना था। झांकी के अग्रभाग में वंदे मातरम की ऐतिहासिक पांडुलिपि को रचते हुए दिखाया गया, जो इसके रचनाकार बंकिम चंद्र चटर्जी की स्मृति को समर्पित था। निचले हिस्से में एक पैनल पर बंकिम चंद्र चटर्जी की छवि प्रदर्शित की गई, जिससे दर्शकों को गीत की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का एहसास हुआ। मध्य भाग में पारंपरिक वेशभूषा में कलाकारों का एक समूह नजर आया, जिसने भारत की लोक-सांस्कृतिक विविधता को दर्शाया। इसके साथ ही कुछ कलाकार आधुनिक परिधानों में दिखे, जो Gen Z यानी नई पीढ़ी का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। झांकी में एक प्रसिद्ध मराठी गायक द्वारा औपनिवेशिक काल की रिकॉर्डिंग और आधुनिक युवा समूह द्वारा वंदे मातरम के गायन को भी दर्शाया गया, जिससे अतीत और वर्तमान का सुंदर संगम सामने आया।

पहाड़ों पर बर्फ का कहर, मैदानों में बढ़ी ठंड:

-हिमाचल-उत्तराखंड में जनजीवन ठप, यूपी-बिहार में बारिश का असर

शिमला । पहाड़ों से लेकर मैदानी इलाकों तक मौसम ने एक बार फिर कड़ा रुख अपना लिया है। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में हो रही भारी बर्फबारी ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है, जबकि इसका असर राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और बिहार जैसे मैदानी राज्यों में भी साफ दिखाई देने लगा है। ठंड, बारिश और कोहरे ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

हिमाचल प्रदेश में हालात सबसे ज्यादा खराब-

हिमाचल प्रदेश में बुधवार को हुई भारी बर्फबारी के बाद ऊंचाई वाले इलाकों में तापमान शून्य से काफी नीचे चला गया। लाहौल-स्पीति जिले के कुकुमसेरी में न्यूनतम तापमान माइनस 6.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो प्रदेश में सबसे कम रहा। बर्फबारी के चलते चार नेशनल हाईवे समेत कुल 885 सड़कें बंद हो गई हैं। इसके अलावा 3 हजार से ज्यादा बिजली ट्रांसफार्मर ठप पड़े हैं, जिससे कई इलाकों में अंधेरा छाया हुआ है।

ठंड इतनी ज्यादा है कि पाइपलाइनों में पानी जम गया है, जिसके कारण कई जगहों पर पेयजल सप्लाई भी बंद हो गई है। हजारों परिवार बिना बिजली और पानी के रहने को मजबूर हैं। प्रशासन राहत और बहाली कार्यों में जुटा है, लेकिन लगातार खराब मौसम के कारण दिक्कतें बनी हुई हैं।

उत्तराखंड में बर्फ की मोटी चादर-

उत्तराखंड में लगातार दो दिनों तक बर्फबारी के बाद गुरुवार को धूप जरूर निकली, लेकिन हालात अब भी सामान्य नहीं हैं। बद्रीनाथ, केदारनाथ और गंगोत्री जैसे प्रमुख तीर्थस्थलों में सड़कों पर 3 से 4 फीट तक बर्फ जमी हुई है। चमोली जिले के औली में लगभग 2 फीट बर्फ गिरने से आवाजाही पूरी तरह ठप हो गई।

राज्य में एवलांच यानी हिमस्खलन का खतरा बढ़ गया है, जिसके चलते अलर्ट जारी किया गया है। प्रशासन ने लोगों और पर्यटकों को सावधानी बरतने की सलाह दी है।

मैदानी राज्यों में भी दिख रहा असर-

पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी का असर अब मैदानी इलाकों तक पहुंच गया है। राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और बिहार में ठंड और कोहरे का असर फिर से तेज हो गया है। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में गुरुवार सुबह बारिश हुई, जबकि इससे पहले अयोध्या, लखनऊ समेत 9 शहरों में बारिश दर्ज की गई थी।

बिहार के 5 जिलों में आज रात बारिश की संभावना जताई गई है। बारिश के बाद तापमान में और गिरावट आने से ठिठुरन बढ़ेगी। बुधवार को भागलपुर 7.4 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ बिहार का सबसे ठंडा जिला रहा।

आगे भी राहत के आसार कम-

मौसम विभाग के अनुसार, राजस्थान और मध्य प्रदेश में 31 जनवरी से आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

अल्बानिया की AI मंत्री डिएला पर विवाद:

-एजेंसी के दो अधिकारी हाउस अरेस्ट में, भ्रष्टाचार के आरोप

तिराना (एजेंसी) । अल्बानिया ने साल 2025 में दुनिया की पहली आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) मंत्री 'डिएला' की नियुक्ति की थी। डिएला का मकसद देश में फैले भ्रष्टाचार को कम करना और सरकारी कामकाज में पारदर्शिता लाना था। इसे विशेष रूप से सरकारी ठेकों और अनुबंधों में भ्रष्टाचार की निगरानी के लिए डिज़ाइन किया गया था। हालांकि, अब इस पहल के बारे में गंभीर सवाल उठने लगे हैं। डिएला को बनाने वाली नेशनल इंफॉर्मेशन एजेंसी (AKSHI) के दो वरिष्ठ अधिकारी भ्रष्टाचार के आरोपों में फंस गए हैं। एजेंसी की डायरेक्टर और डिप्टी डायरेक्टर को हाउस अरेस्ट में रखा गया है। उनके खिलाफ आरोप हैं कि उन्होंने सरकारी ठेकों में धमकियां दीं, हेरफेर किया और रिश्वत ली। साथ ही, उन पर क्रिमिनल संगठनों से जुड़ाव का भी शक है। यह एजेंसी सरकार की डिजिटल और सूचना प्रणाली की निगरानी करती है और डिएला को विकसित करने वाली प्रमुख संस्था रही है। इस मामले ने अल्बानिया सरकार की भ्रष्टाचार विरोधी मुहिम पर सीधे सवाल खड़े कर दिए हैं। विशेषज्ञ और आम जनता दोनों ही यह पूछने लगे हैं कि अगर डिएला को बनाने वाली एजेंसी ही भ्रष्टाचार में लिप्त है, तो क्या AI को भी किसी रूप में हेरफेर या सबूत छिपाने के लिए प्रोग्राम किया जा सकता है। प्रधानमंत्री एदी रामा ने कहा है कि जांच पूरी होने तक वे किसी भी तरह की टिप्पणी नहीं करेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि आरोप अब तक औपचारिक रूप से तय नहीं हुए हैं। वहीं यूरोपीय यूनियन में शामिल होने की अल्बानिया की कोशिशें भी इस विवाद से प्रभावित हो सकती हैं, क्योंकि भ्रष्टाचार पर नियंत्रण यूरोपीय संघ में प्रवेश की महत्वपूर्ण शर्तों में शामिल है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस घटनाक्रम ने AI आधारित सिस्टम की विश्वसनीयता और डिजिटल पारदर्शिता पर सवाल खड़ा कर दिया है।

हरियाणा BJP विधायक को रिटायर्ड कैप्टन ने लगाई क्लास

-कहा- चमचों से दूर रहो, नहीं तो दोबारा MLA नहीं बन पाओगे

चंडीगढ़ । हरियाणा के दादरी जिले की बाढड़ा विधानसभा से भाजपा विधायक उमेद पातुवास इस समय चर्चा में हैं। वजह है एक रिटायर्ड आर्मी कैप्टन बलबीर सिंह द्वारा उन्हें लगाई गई क्लास। यह घटना 26 जनवरी, गणतंत्र दिवस के दिन हुई जब विधायक बाढड़ा अनाज मंडी में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे थे। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि कैप्टन बलबीर सिंह ने विधायक को साफ-साफ कहा कि चमचों से दूर रहो, नहीं तो दोबारा विधायक नहीं बन पाओगे। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है और लोगों के बीच चर्चाओं का विषय बन गया। बाढड़ा अनाज मंडी में विधायक कार्यक्रम में शामिल हुए थे और समारोह के दौरान उन्हें पगड़ी पहनाई गई। समारोह के बाद विधायक किसानों के बीच गए, जहां किसानों की लंबी लंबी समस्याओं और उनकी मांगों को लेकर करीब 190 दिन से धरना चल रहा है। इसी दौरान रिटायर्ड कैप्टन ने उन्हें जमकर लहजा देते हुए सलाह दी। उन्होंने कहा कि पूरा बाढड़ा उनका परिवार है और बुजुर्गों का मार्गदर्शन हमेशा लाभकारी होता है। उनका यह भी कहना था कि नेताओं को हमेशा सीधे-सादे तरीके से सच्चाई को सुनना चाहिए, चाहे वह सलाह कैसी भी हो। रिटायर्ड कैप्टन बलबीर सिंह ताखर दादरी के गांव गोपी के रहने वाले हैं। उन्होंने सेना में कैप्टन रैंक तक सेवा की है और अब रिटायरमेंट के बाद खेती-किसानी से जुड़े हुए हैं। बलबीर सिंह क्षेत्र के किसानों के बीच काफी सक्रिय हैं और उनके हितों के लिए चल रहे धरने-प्रदर्शनों में अक्सर दिखाई देते हैं। बाढड़ा अनाज मंडी में भी वह किसानों के धरने में नियमित रूप से शामिल होते हैं। बलबीर सिंह ने हमेशा से साफ संदेश दिया है कि नेताओं को चमचों के चक्कर में नहीं पड़ना चाहिए और जनता के हित को हमेशा प्राथमिकता देनी चाहिए। उनका मानना है कि यदि नेता केवल अपने आसपास के लोगों की बात सुनते रहेंगे और सीधे जनता से दूर रहेंगे, तो जनता उन्हें दोबारा नहीं चुन पाएगी। उनका यह अंदाज ठेठ हरियाणवी शैली में था, जो लोगों को न सिर्फ हंसाता बल्कि गंभीर संदेश भी देता है। इस घटना का वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर इसे लेकर काफी चर्चा हुई। कई लोग बलबीर सिंह की ईमानदारी और सीधी बात की तारीफ कर रहे हैं। वहीं कुछ लोग इसे राजनीतिक सिखावन के रूप में देख रहे हैं। यह घटना इस बात की याद दिलाती है कि नेताओं को जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को सुनना और सही दिशा में कदम बढ़ाना कितना महत्वपूर्ण है। इस पूरी घटना ने यह भी साबित कर दिया कि बुजुर्गों का अनुभव और मार्गदर्शन नेताओं के लिए अमूल्य होता है। बाढड़ा अनाज मंडी में हुए इस मामले ने न केवल विधायक को एक चेतावनी दी, बल्कि बाकी नेताओं के लिए भी संदेश छोड़ा कि चमचों की बातों में फंसकर अपने काम और जनता की भलाई को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

बजट सत्र का दूसरा दिन: आज इकोनॉमिक सर्वे पेश, VB-G राम जी कानून पर फिर हंगामे के आसार

नई दिल्ली। 18वीं लोकसभा के बजट सत्र का गुरुवार को दूसरा दिन है। आज संसद में देश की आर्थिक सेहत का आईना माने जाने वाला इकोनॉमिक सर्वे पेश किया जाएगा। इसके बाद 1 फरवरी को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बजट 2026-27 संसद के पटल पर रखेंगी। बजट से पहले आने वाला इकोनॉमिक सर्वे सरकार की नीतियों, आर्थिक रफ्तार, चुनौतियों और आने वाले साल की दिशा को स्पष्ट करता है, इसलिए इस पर सियासी और आर्थिक जगत की खास नजर रहती है। बजट सत्र के पहले दिन बुधवार को लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अभिभाषण दिया। करीब 45 मिनट के अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने सरकार की उपलब्धियों, नीतिगत फैसलों और भविष्य की प्राथमिकताओं को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि सरकार देश की आर्थिक प्रगति और सामाजिक न्याय के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और बीते वर्षों में भ्रष्टाचार व घोटालों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की गई है। हालांकि राष्ट्रपति के भाषण के दौरान उस वक्त माहौल गरमा गया, जब उन्होंने VB-G राम जी कानून का जिक्र किया। इस कानून का नाम लेते ही विपक्षी दलों ने कड़ा विरोध शुरू कर दिया और "कानून वापस लो" के नारे लगाए। विपक्ष का आरोप है कि यह कानून गरीबों और वंचित वर्गों के हितों के खिलाफ है और इससे पहले से चल रही योजनाओं पर असर पड़ा है। वहीं सत्ता पक्ष यानी एनडीए सांसदों ने राष्ट्रपति के बयान का समर्थन करते हुए जोरदार नारेबाजी की। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को भी अपनी सीट पर मेज थपथपाकर समर्थन जताते हुए देखा गया। बजट सत्र 28 जनवरी से 2 अप्रैल तक चलेगा और इसे दो हिस्सों में बांटा गया है। पहला चरण 28 जनवरी से 13 फरवरी तक चलेगा, जबकि दूसरा चरण 9 मार्च से 2 अप्रैल तक होगा। पूरे सत्र के दौरान कुल 30 बैठकें प्रस्तावित हैं। संसदीय कार्य मंत्रालय के अनुसार, 28 जनवरी और 1 फरवरी को शून्यकाल नहीं होगा, जिससे बजट और उससे जुड़े अहम कामकाज में समय की बचत हो सके। आज भी संसद में हंगामे के आसार बने हुए हैं। बीते मानसून और शीतकालीन सत्रों की तरह इस बार भी विपक्ष कई मुद्दों पर सरकार को घेरने की तैयारी में है। इनमें वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR), MGNREGA की जगह लाए गए VB-G RAM G कानून, भारत पर अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ, विदेश नीति, बढ़ता एयर पॉल्यूशन, देश की आर्थिक स्थिति और टीनएजर्स के लिए सोशल मीडिया बैन जैसे विषय शामिल हैं। विपक्ष इन मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की मांग कर रहा है। सूत्रों का कहना है कि इकोनॉमिक सर्वे पेश होने के बाद आर्थिक मोर्चे पर सरकार और विपक्ष के बीच तीखी बहस देखने को मिल सकती है। विपक्ष जहां महंगाई, बेरोजगारी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मुद्दा उठा सकता है, वहीं सरकार सर्वे के जरिए अपनी आर्थिक उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं को सामने रखेगी। इस बजट सत्र में कई अहम विधेयकों पर चर्चा होने की संभावना है। फिलहाल लोकसभा में 9 विधेयक लंबित हैं, जिनमें विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक 2025, प्रतिभूति बाजार संहिता विधेयक 2025 और संविधान (129वां संशोधन) विधेयक 2024 प्रमुख हैं। ये सभी विधेयक इस समय संसदीय स्थायी या प्रवर समितियों के पास जांच के लिए भेजे गए हैं। समिति की रिपोर्ट आने के बाद इन्हें सदन में चर्चा और पारित किए जाने के लिए रखा जा सकता है। कुल मिलाकर, बजट से पहले का यह दिन राजनीतिक रूप से बेहद अहम माना जा रहा है।

ब्रिटिश पीएम 8 साल बाद चीन पहुंचे:

-अमेरिका जरूरी, लेकिन चीन को भी नज़रअंदाज नहीं किया जा सकता

बीजिंग (एजेंसी) । ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर 8 साल के अंतराल के बाद बुधवार को तीन दिन के दौरे पर चीन पहुंचे। इससे पहले 2018 में तत्कालीन ब्रिटिश पीएम थेरेसा मे चीन का दौरा कर चुकी थीं। इन आठ सालों में वैश्विक राजनीति में काफी बदलाव आया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की आक्रामक नीतियों और बयानबाजी की वजह से यूरोपीय देशों को नए साझेदारों की तलाश करनी पड़ी है। ऐसे में चीन एक मजबूत और भरोसेमंद विकल्प के रूप में उभर रहा है। चीन के लिए रवाना होने से पहले स्टार्मर ने मीडिया से बातचीत में कहा कि ब्रिटेन को अमेरिका और चीन में से किसी एक को चुनने की मजबूरी नहीं है। अमेरिका के साथ साझेदारी और रिश्ते हमेशा मजबूत रहेंगे, लेकिन चीन को नजरअंदाज करना भी सही नहीं होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि ब्रिटेन दोनों महाशक्तियों के साथ संतुलित और व्यावहारिक संबंध बनाए रखना चाहता है। चीन के विदेश मंत्रालय ने इस यात्रा का स्वागत करते हुए कहा कि इससे दोनों देशों के बीच भरोसा बढ़ेगा और द्विपक्षीय रिश्तों में स्थिरता आएगी। हालांकि ब्रिटेन अब चीन को जरूरी देश मान रहा है, लेकिन याद रहे कि 2020 में कोरोना महामारी के दौरान ब्रिटेन ने चीनी टेक कंपनी हुआवे को जासूसी के शक में अपने देश से बाहर निकाल दिया था। उस समय ब्रिटेन की सुरक्षा और गोपनीयता को लेकर यह फैसला लिया गया था। विशेषज्ञों का मानना है कि स्टार्मर का यह दौरा चीन के साथ व्यापार, निवेश और रणनीतिक सहयोग को बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। आर्थिक और तकनीकी सहयोग के साथ-साथ वैश्विक राजनीति में संतुलन बनाने के लिए यह यात्रा ब्रिटेन के लिए नई संभावनाओं के दरवाजे खोल सकती है। इस दौरे से यह संदेश भी जाता है कि ब्रिटेन अब अमेरिका पर पूरी तरह निर्भर नहीं रहना चाहता।

जेल में इमरान खान की आंखों पर गंभीर खतरा, PTI ने तत्काल इलाज की मांग की

इस्लामाबाद (एजेंसी) । जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (PTI) के चेयरमैन इमरान खान की सेहत को लेकर उनकी पार्टी ने गंभीर चेतावनी जारी की है। पाकिस्तानी अखबार DAWN की रिपोर्ट के अनुसार PTI ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर बयान देते हुए कहा कि अगर इमरान खान को तुरंत और सही इलाज नहीं मिला, तो उनकी एक आंख की रोशनी स्थायी रूप से चली सकती है और वे अंधे भी हो सकते हैं। पार्टी ने बताया कि इमरान खान की दाहिनी आंख में सेंट्रल रेटिनल वेन ऑक्लूजन (CRVO) नामक गंभीर बीमारी पाई गई है। यह बीमारी आंख की नसों में ब्लॉकेज के कारण होती है, जिससे दृष्टि पर गंभीर असर पड़ सकता है। PTI ने जोर देकर कहा कि जेल में की गई डॉक्टरों की जांच में इस बीमारी को अत्यंत गंभीर और संवेदनशील बताया गया है। पार्टी ने आगे कहा कि मेडिकल एक्सपर्ट्स की राय के अनुसार, अगर इमरान खान को समय पर उचित और विशेषज्ञ इलाज नहीं मिला, तो उनकी आंख की रोशनी स्थायी रूप से चली सकती है। PTI ने सरकार से तत्काल कार्रवाई की अपील की है ताकि पूर्व प्रधानमंत्री की दृष्टि बचाई जा सके। PTI का यह बयान राजनीतिक और मानवाधिकार दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पार्टी का आरोप है कि जेल प्रशासन और सरकार की लापरवाही के कारण इमरान खान की जान और स्वास्थ्य खतरे में है। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया, तो इसके गंभीर नतीजे हो सकते हैं। इस बीच पाकिस्तान में यह मामला राजनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बन गया है। इमरान खान की सुरक्षा और स्वास्थ्य को लेकर विपक्ष और मानवाधिकार संगठनों ने भी चिंता व्यक्त की है। देश और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की नजर अब इस पर टिकी है कि सरकार पूर्व प्रधानमंत्री के स्वास्थ्य के प्रति कितनी संवेदनशील और जवाबदेह है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज़ नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, ज़ोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com